अप्रैल 2021

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

चल पड़ी साइकिल

10

कोरोना ने खोल दी भाजपा राज की पोल! 04

R.N.I. No. 68832/97

पूरी दुनिया में परिवर्तन की लहर है। समाजवादी पार्टी शुरू से परिवर्तन की राजनीति करती रही है। नौजवान ही माहौल बनाते हैं। नौजवानों की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। नौजवान ही सपा का भविष्य हैं। सपा के कार्यक्रमों में नौजवानों की बड़ी भीड़ जुटती है। यह देख कर खुशी होती है।

मुलायम सिंह यादव
संस्थापक-संरक्षक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन

अप्रैल 2021

वर्ष 22 | संख्या 06

प्रिय पाठकों,

समाजवादी बुलेटिन आपकी अपनी पत्रिका है। इसके नए और बदले कलेवर को आप सबने सराहा है। आपका यह उत्साह वर्धन हमारी ऊर्जा है। कृपया अपनी राय से हमें अवगत कराते रहें। इसके लिए आप हमें नीचे दिए गए ईमेल पर लिख सकते हैं। कृपया अपना पूरा नाम, पता एवं मोबाइल नंबर जरूर दें। हम बुलेटिन को और बेहतर बनाने का प्रयास जारी रखेंगे। आपके संदेश की प्रतीक्षा रहेगी।

धन्यवाद

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

आस्था प्रिंटर्स, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

जनता समाजवादियों का इंतजार कर रही है

26

10 कवर स्टोरी

चल पड़ी साइकिल

कोरोना ने खोल दी भाजपा राज की पोल!

फिलहाल 04

कोरोना महामारी की मौजूदा लहर ने महज प्रचार तंत्र के जरिए सुशासन का माहौल बनाने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार की पोल खोल कर रख दी है।

सपा एवं रालोद की साझा ताकत में भाईचारे का संदेश

42

सरकारी उत्पीड़न के खिलाफ कलाकार एकजुट

22

कोरोना ने खोल दी भाजपा राज की पोल!

बुलेटिन ब्यूरो

कोरोना महामारी की मौजूदा लहर ने महज प्रचार तंत्र के जरिए सुशासन का माहौल बनाने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार की पोल खोल कर रख दी है। सरकार की नाकामी से हजारों लोग बगैर इलाज जान गंवा बैठे हैं और यह गिनती थम नहीं रही। यह सरकार न तो कोरोना पीड़ितों के लिए अस्पतालों में पर्याप्त बेड व दवाएं उपलब्ध करा पा रही है और न ही जरूरत भर ऑक्सीजन। कई लोगों की जान तो समय पर ऑक्सीजन न मिलने के कारण हो गई।

जिंदगियां दम तोड़ रही हैं और लोग तड़प कर मर रहे हैं। श्मसान गृहों और कब्रिस्तानों में जगह नहीं बची है। कई शहरों में शव जलाने वाली मशीन गर्म होकर खराब हो गई। इस अमानवीय स्थिति में भी दवाओं, ऑक्सीजन, वेंटिलेटर और बेड की आपूर्ति के बहाने कुछ लोग कालाबाजारी में जुट गए हैं, प्रशासन मूकदर्शक बना है। प्रदेश भर में

स्वास्थ्य सिस्टम ध्वस्त है। इस अव्यवस्था के लिए भाजपा सरकार ही पाप की भागी है।

प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार ने जो स्वास्थ्य सिस्टम बनाया था उसे भी द्वेषवश भाजपा सरकार ने कमजोर कर दिया, अब संकट की घड़ी में उसी के भरोसे काम चल रहा है क्योंकि भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में कोई काम ही नहीं किया। उसका पूरा समय समाज में नफरत फैलाने के भाजपा के एजेंडे को लागू करने में ही खर्च होता रहा।

कोरोना के इस दौर में भाजपा का आपदा को अवसर में बदलने का काम धड़ल्ले से हो रहा है। निजी अस्पतालों में महंगी दरों पर भर्ती हो रही है। ऑक्सीजन की बाजार में भारी कमी है। अब सरकार ने जरूरतमंदों को भी ऑक्सीजन की सीधी बिक्री पर रोक लगाकर संकट को और बढ़ावा दिया है। आवश्यक दवाएं और इंजेक्शन अस्पतालों में नहीं है, पर चोर बाजार में हर चीज उपलब्ध है।

“भाजपा सरकार को सिर्फ चुनावों की चिंता रहती है, मानव जीवन बचाने की नहीं। गतवर्ष कोरोना के संक्रमण और लॉकडाउन के बाद जो हालात बने थे उनसे भाजपा सरकार ने कोई सबक नहीं सीखा।”

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री लापरवाह अधिकारियों के साथ कड़ाई करने के रोज ही बयान देते है लेकिन राजधानी लखनऊ में ही कोविड कंट्रोल रूम में बैठे अफसर न फोन उठा रहे हैं और नहीं मिल रहे है। परेशान लोगों की गुहार सुनने वाला कोई नहीं। उन पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है? ऑक्सीजन के अभाव में, भर्ती न हो पाने से जो मर गए उन सबकी अस्वाभाविक मौत के लिए किसी डी.एम-एस.पी. पर मुख्यमंत्री जी ने कार्रवाई क्यों नहीं की? दिखावे के लिए बहाना ढूंढा जाता है। प्रशासन तो बेलगाम है, मुख्यमंत्री का कंट्रोल कहीं नहीं रह गया है। भाजपा जिस अमानवीय चरित्र का परिचय दे रही है, राज्य की जनता इसे कभी माफ नहीं कर सकती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सच तो यह है कि भाजपा सरकार को सिर्फ चुनावों की चिंता रहती है, मानव जीवन बचाने की नहीं। गतवर्ष कोरोना के संक्रमण और लॉकडाउन के बाद जो हालात बने थे उनसे भाजपा सरकार ने कोई सबक नहीं सीखा। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दोनों अपनी वाहवाही की थालियां बजवाते रहे। अब जब कोरोना पहले से कहीं बदतर परिणाम दे रहा है तो इनसे हालात संभल नहीं रहे। जनता सब देख रही है। भाजपा ने लोकलाज खो दी है, प्रशासन चलाने की उसकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग चुका है।

अखिलेश यादव

सहज, सौम्य और मर्यादित

दुष्यंत कबीर

मार्च का आखिरी सप्ताह था। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे पर इटावा की ओर जा रही रोडवेज की एक बस को रुकने का इशारा किया गया। बस ड्राइवर ने बस रोकी और सवारियां बस पर सवार हुईं तो उनमें जिस शख्स को देखकर न केवल बस का ड्राइवर बल्कि बस में पहले से बैठीं बाकी सवारियां भी हैरान हो गईं वे थे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव। उनके साथ बस में सवार होने वालों में उनकी दोनों बेटियां भी शामिल थीं।

श्री अखिलेश यादव 29 मार्च को होली के मौके पर अपने पैतृक गांव इटावा जिले के सैफई जाने के लिए रोडवेज की बस पर सवार हुए थे। बस यात्रा के दौरान ही उन्होंने ट्वीट किया : 'होली पर घर जाते हुए एक्सप्रेस वे पर रोडवेज बस में यात्रा की। जितनी

अच्छी सड़क बनाई, उतनी ही अच्छी बसों पर जनता का पूरा हक़ है, यही सोचकर हमने दुनिया की सबसे अच्छी बसें चलाने का निर्णय लिया था। 2022 में आकर हम यूपी रोडवेज़ में हर जगह वर्ल्ड क्लास बस चलवाएंगे'।

दरअसल यह श्री अखिलेश यादव की सादगी की महज एक बानगी है। वे स्वभाव से ही ऐसे हैं। सादगी, सौम्यता और रिश्तों की मर्यादा का ध्यान रखना उनकी चारित्रिक विशेषता है। इसलिए वे जितनी सहजता से रोडवेज की बस पर सवार हो लेते हैं उतनी ही शालीनता से पार्टी के किसी भीड़ भरे कार्यक्रम में किसी वरिष्ठ नेता का हाथ थाम कर सहारा देते हैं ताकि बुजुर्ग नेता भीड़ के दबाव में लड़खड़ा न जाएं। किसान आंदोलन के समर्थन में जब श्री अखिलेश यादव लखनऊ में सड़क पर उतरे तो भीड़ के दबाव में खुद संभल नहीं पा रहे सपा के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री बलवंत सिंह रामूवालिया को उन्होंने ही सहारा दिया था।

अखिलेश यादव की सादगी की महज एक बानगी है। वे स्वभाव से ही ऐसे हैं। सादगी, सौम्यता और रिश्तों की मर्यादा का ध्यान रखना उनकी चारित्रिक विशेषता है

अखिलेश जी के मुख्यमंत्रित्व काल में लखनऊ के लोहिया पार्क में हुए एक कार्यक्रम में मूसलाधार बारिश के बीच खुद के भीगने की परवाह छोड़ अपने पिता एवं सपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मुलायम सिंह यादव के लिए छतरी पकड़ने की उनकी तत्परता में कोई दिखावा नहीं बल्कि सहज स्वाभाविकता थी। वे चाहते तो किसी सुरक्षा कर्मी के लिए वह काम छोड़ सकते थे लेकिन जिम्मेदारी को समझने और निभाना भी जाननेवाले श्री अखिलेश यादव ने स्वभाव सुलभ सादगी के तहत ही वैसा किया था। उनकी यह स्वाभाकिता रिश्तों की मर्यादा के पालन में भी बखूबी झलकती है।

इसकी एक बानगी हाल में बाराबंकी में

सपा के कद्दावर नेता रहे स्वर्गीय बेनी प्रसाद वर्मा की पहली पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में दिखी जिसमे अखिलेश जी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। बेनी बाबू और नेताजी यानी श्री मुलायम सिंह यादव के रिश्ते सर्वविदित हैं। उसका ही जिक्र करते हुए श्री अखिलेश यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह से बेनी बाबू नेताजी के साथ हमेशा खड़े रहे उसी तरह हम सभी समाजवादी राकेश (बेनी बाबू के पुत्र) के साथ खड़े हैं। उनका हमारा रिश्ता सिर्फ राजनीति का नहीं है। मैं बाराबंकी पहली बार राकेश की शादी में आया था। यह बहुत कम लोगों को पता है। आजादी के बाद वंचित और पिछड़ों को हक दिलाने के लिए जो संघर्ष नेताजी और बाबूजी ने किया और कभी सिद्धातों से समझौता नहीं किया, उसी संघर्ष की आज जरूरत है।

बेनी प्रसाद वर्मा की पहली पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा का अनावरण करने से पहले अखिलेश जी ने उनकी पत्नी मालती वर्मा के पैर छूकर आशीर्वाद लिया तो इस मौके पर श्री राकेश वर्मा ने पत्नी, बेटियों और भाई के साथ अखिलेश जी की अगवानी में कोई कसर बाकी नहीं रखी। अपने भाषण में श्री राकेश वर्मा ने कहा कि बाबूजी और नेताजी के विचारों को मानने वालों की भीड़ ये संकल्प लेकर जाए कि साल 2022 में अखिलेश जी को सीएम बनाएंगे। यहीं बाबूजी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

ठीक ऐसे ही समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य एवं सांसद मोहम्मद आजम खां के खिलाफ उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा की जा रही पक्षपातपूर्ण कार्रवाई के मामले में भी श्री अखिलेश यादव ने मजबूती के साथ उनका व उनके परिवार का साथ दिया है। आजम साहब के साथ नेताजी के प्रगाढ़ रिश्तों का अखिलेश जी ने हमेशा सम्मान करते हुए रिश्तों की डोर को हमेशा मजबूत किया।

आजम साहब की पत्नी विधायक श्रीमती तंजीन फातिमा जी की जेल से रिहाई होने के तुरंत बाद अखिलेश जी ने रामपुर जाकर उनसे व परिवार के अन्य सदस्यों से भेंट कर उनका भरोसा व हौसला बढ़ाया। बाद में एक कार्यक्रम का आयोजन कर आजम साहब के समर्थन में रामपुर में श्री अखिलेश यादव ने साइकिल यात्रा का नेतृत्व करते हुए साइकिल चलाई। उनके व्यक्तित्व के इस मानवीय पहलू के तहत ही कोरोना से संक्रमित होकर घर पर रहने के दौरान भी वे फोन के माध्यम से निरंतर सक्रिय रहे व जरूरतमंदों की यथासंभव मदद की।

चल पड़ी साइकिल

विधानसभा के चुनाव जैसे-जैसे करीब आते जा रहे हैं वैसे-वैसे समाजवादी पार्टी की साइकिल की रफ्तार भी तेज होती जा रही है। साइकिल की रफ्तार उत्तर प्रदेश के लोगों को भरोसा दिला रही है कि 2022 में समाजवादी पार्टी की उत्तर प्रदेश में सरकार बनने के साथ ही प्रदेश में विकास की रुकी हुई गति भी तेज होगी। साइकिल जिधर से भी गुजर रही है लोगों का हुजूम स्वागत के लिए तैयार खड़ा दिख रहा है। रामपुर में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने साइकिल यात्रा की शुरुआत की तो लखनऊ तक के सफर में यात्रा को पूरे रास्ते गर्मजोशी भरे स्वागत से नवाजा गया। पेश है साइकिल की तेज होती गति एवं लखनऊ तक की यात्रा पर ***विशेष रिपोर्ट*** *-*

बुलेटिन ब्यूरो

रामपुर के जौहर विश्वविद्यालय और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद मोहम्मद आजम खां के खिलाफ भाजपा सरकार द्वारा किये जा रहे उत्पीड़न के विरोध में 12 मार्च को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव द्वारा साइकिल चलाकर शुरू की गयी साइकिल यात्रा 13 मार्च को रामपुर से आगे चली।

12 मार्च 2021 को रामपुर में श्री अखिलेश यादव ने मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय से साइकिल यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया था। स्वयं उन्होंने 12 किमी. तक साइकिल चलाकर यात्रा का शुभारंभ किया था। इस साइकिल यात्रा के संयोजक विधायक बिलारी श्री मोहम्मद फहीम इरफान एवं सह संयोजक श्री जयवीर सिंह यादव थे। यात्रा में एमएलसी और दूसरे पदाधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।

रामपुर से लखनऊ तक की 370 किलोमीटर की इस यात्रा में नौजवान साइकिल यात्रियों का जोश देखने लायक था। जगह-जगह इन यात्रियों ने जनता को समाजवादी पार्टी की नीति-कार्यक्रम और समाजवादी पार्टी सरकार की उपलब्धियां बताने के साथ भाजपा सरकार में जौहर विश्वविद्यालय तथा मोहम्मद आजम खां के परिवार को यातनाएं दिए जाने के बारे में भी जानकारी दी।

रामपुर से आगे

सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल ने 13 मार्च को साइकिल यात्रा को अम्बेडकर पार्क रामपुर से हरी झंडी दिखाकर बरेली के मीरगंज सीमा तक रवाना किया। इस अवसर पर नेता विरोधी दल श्री रामगोविन्द चौधरी साइकिल यात्रा में विधायकगण नसीर अहमद खान, फहीम अहमद, रामपुर जिलाध्यक्ष अखिलेश गंगवार, मुरादाबाद जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव, पूर्व विधायक विजय सिंह आदि ने हिस्सा लिया।

रामपुर से बरेली तक के रास्ते में साइकिल यात्रा का कई स्थानों पर जबरदस्त स्वागत हुआ। रास्ते में कई स्थानों पर सपा के कार्यकर्ताओं के अलावा आम युवक भी अपनी साइकिल चलाते हुए कुछ दूरी तक यात्रा का हिस्सा बने। साइकिल यात्रा को लेकर लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। लोग 2022 में श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने के स्वत:स्फूर्त नारे लगा रहे थे। देर शाम यात्रा बरेली के मीरगंज पहुंची।

बरेली में यात्रा

अगले दिन 14 मार्च को नेता विरोधी दल, विधानसभा श्री रामगोविन्द चौधरी ने बरेली के मीरगंज से हरी झंडी दिखाकर यात्रा को बरेली के कटरा के लिए रवाना किया। इस अवसर पर सुल्तान बेग पूर्व विधायक, मोहम्मद नदीम पूर्व विधायक, डॉ राम करन निर्मल प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी लोहिया वाहिनी, अगम मौर्य जिलाध्यक्ष बरेली, शमीम अहमद महानगर अध्यक्ष बरेली समेत अन्य नेता व पदाधिकारी मौजूद रहे। राजनीतिक व सामाजिक रूप से बेहद अहम रुहेलखंड के इस भाग से होकर साइकिल यात्रा के गुजरने के दौरान सपा के कार्यकर्ताओं व आम लोगों में जैसा उत्साह देखा गया वह इस ओर इंगित कर रहा था कि 2022 में बदलाव तय है और लोग श्री अखिलेश यादव को दोबारा मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं। देर शाम यात्रा कटरा पहुंची।

शाहजहांपुर की ओर

अगले दिन, 15 मार्च को पूर्व मंत्री अताउर्रहमान एवं पूर्व विधायक सुल्तान बेग ने बरेली के कटरा से हरी झंडी दिखाकर साइकिल यात्रा को आगे रवाना किया। इस

उत्पीड़न के खिलाफ राज्यपाल को ज्ञापन

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने 20 मार्च 2021 को महामहिम राज्यपाल जी से राजभवन में भेंट कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया है कि भाजपा सरकार में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राष्ट्रीय महासचिव, सांसद श्री मोहम्मद आजम खां व उनके परिवार सहित हजारों की संख्या में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं एवं विपक्षी कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न हो रहा है उन्हें प्रताड़ना का शिकार बनाया जा रहा है।

ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेश में दमन चक्र जारी है। राज्य में लोकतांत्रिक मर्यादाओं को चोट पहुंचाई जा रही है। प्रदेश के बिगड़ते हालात का संज्ञान लेते हुए राज्यपाल महोदया से न्यायिक व्यवस्था कायम करने के लिए अपेक्षा की गई।

समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमण्डल में सर्वश्री नेता विरोधी दल विधानसभा रामगोविन्द चौधरी, नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद अहमद हसन, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल समेत अन्य नेता शामिल थे।

अवसर पर विधायक इरफान फहीम, समाजवादी लोहिया वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ रामकरन निर्मल, अगम मौर्य जिलाध्यक्ष बरेली, शमीम अहमद महानगर अध्यक्ष बरेली, जिलाध्यक्ष मुरादाबाद जयवीर सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

कटरा से यात्रा शाहजहांपुर के लिए चली तो रास्ते में कई स्थानों पर ग्रामीणों ने साइकिल यात्रा का जोरदार स्वागत किया। कई स्थानों पर नौजवानों की टोलियों ने नारे लगाते हुए साइकिल यात्रियों को हौसला बढ़ाया। स्वागत का यह सिलसिला साइकिल यात्रा के देर शाम शाहजहांपुर पहुंचने तक जारी रहा।

तराई की राह पर

16 मार्च को साइकिल यात्रा को समाजवादी पार्टी के शाहजहांपुर जिलाध्यक्ष श्री तनवीर अहमद खां ने शाहजहांपुर से हरी झंडी दिखाकर आगे के लिए रवाना किया। इस अवसर पर कई वरिष्ठ नेता व पदाधिकारी मौजूद थे। साइकिल यात्रा को छठे दिन 17 मार्च को समाजवादी पार्टी के एमएलसी एवं समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजपाल कश्यप ने हरी झंडी दिखाकर शाहजहांपुर से अचौलिया, लखीमपुर के लिए रवाना किया। इस अवसर पर विधायक फहीम अहमद, एलएलसी अमित यादव एवं समाजवादी महिला सभा की जिलाध्यक्ष गायत्री वर्मा समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। देर शाम यात्रा लखीमपुर पहुंची।

18 मार्च को समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री अरविन्द गिरि ने हरी झंडी दिखाकर लखीमपुर से साइकिल यात्रा को सीतापुर के लिए रवाना किया। इस अवसर पर यशपाल चौधरी एवं आर.ए. उस्मानी पूर्व मंत्री, विधायक इरफान फहीम, जिलाध्यक्ष लखीमपुर रामपाल, जिलाध्यक्ष सीतापुर छत्रपाल यादव, सुनील कुमार लाला, विनय तिवारी, पूर्व विधायक अनूप गुप्ता आदि यात्रा में मौजूद रहे। तराई के इलाकों से अवध की ओर बढ़ती समाजवादियों की साइकिल यात्रा एक विशिष्ट सामाजिक-भौगोलिक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र की तरफ अग्रसर थी लेकिन यात्रा के प्रति जो उत्साह रुहेलखंड में था वही अवध की राह में भी था। सपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग अपने-अपने इलाकों में साइकिल यात्रा का स्वागत करने के लिए पहले से इंतजार कर रहे थे। यात्रा तय कार्यक्रम के मुताबिक देर

समाजवादी पार्टी

समाजवादी पार्टी

मिशन 2022

शाम सीतापुर पहुंच गई।

अवध में संपन्न

अगले दिन 19 मार्च को नेता प्रतिपक्ष, विधान परिषद श्री अहमद हसन ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को सीतापुर से बख्शी का तालाब, लखनऊ के लिए रवाना किया। इस अवसर पर सांसद रवि वर्मा, नरेन्द्र वर्मा विधायक, पूर्व विधायक राधेश्याम जायसवाल, महेन्द्र सिंह उर्फ झीन बाबू, रामपाल राजवंशी, अनूप गुप्ता, तथा समाजवादी महिला सभा की निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती गीता सिंह, जिलाध्यक्ष सीतापुर छत्रपाल यादव तथा पूर्व जिलाध्यक्ष शमीम कौशर की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

20 मार्च को साइकिल यात्रा बख्शी का तालाब, लखनऊ से आगे चली और उसका समापन समाजवादी पार्टी के प्रदेश, लखनऊ में हुआ। लखनऊ शहर की सीमा में प्रवेश

करते ही इस यात्रा को व्यापक जनसमर्थन मिला। पार्टी मुख्यालय पर सैकड़ों साइकिल यात्रियों का स्वागत करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने काफी तकलीफें उठाईं है। कइयों को चोट लगी है। नौजवानों की मेहनत बेकार नहीं जाएगी। जनता भाजपा से छुटकारा पाने के लिए तैयार है।

उल्लेखनीय है कि समाजवादी पार्टी के युवा संगठनों के सभी प्रदेश अध्यक्ष इस यात्रा में शामिल रहे। समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री अरविन्द गिरि, समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री दिग्विजय सिंह देव, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष श्री अनीस राजा, समाजवादी लोहिया वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष डा. राम करन निर्मल के अतिरिक्त सुश्री नेहा यादव एवं भारती चौहान भी लगातार साइकिल यात्रा में शामिल रहीं।

रामपुर से लखनऊ तक जो नौजवान साइकिल यात्रा में शामिल रहे उनमें उल्लेखनीय रहे सौरभ यादव, प्मोहम्मद शाकिर, विशाल ठाकुर, वसीम अकरम, रवीन्द्र यादव, मुनीन्द्र प्रताप सिंह, सतवीर, सुमित, नितिन, कासिम अली, विकास चौधरी, मुकेश सिंह, दिनेश, अर्जुन, अली मुमता सैफी, मकसूद खां आदि। जिलाध्यक्ष लखनऊ श्री जयसिंह जयंत और महानगर अध्यक्ष श्री सुशील दीक्षित के सहयोग से समाजवादी पार्टी कार्यालय में साइकिल यात्रा का समापन हुआ।

बेनी बाबू की यादों संग सत्ता परिवर्तन का संकल्प

बुलेटिन ब्यूरो

पूर्व केंद्रीय मंत्री व समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे स्वर्गीय श्री बेनी प्रसाद वर्मा की पुण्यतिथि 27 मार्च 2021 पर उनका गृह क्षेत्र बाराबंकी समाजवादी नारों से गुंजायमान हो उठा।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने बाराबंकी में स्वर्गीय श्री बेनी बाबू के उनकी समाधि स्थल पर जाकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने बाराबंकी के पल्हरी स्थित मोहन लाल वर्मा, एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में स्मृतिशेष बेनी प्रसाद वर्मा की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर श्री बेनी प्रसाद वर्मा के परिवार के सदस्यों सहित श्री राकेश वर्मा एवं ऋषि वर्मा भी उपस्थित रहे।

श्री अखिलेश यादव ने पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा को भी संबोधित किया जिसमें जबरदस्त भीड़ उमड़ी। विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बेनी प्रसाद वर्मा का उत्तर प्रदेश में बड़ा कद रहा है। उनके साथ समाजवादियों की कई सरकारें बनीं। भाजपा राज में रोजी-रोटी का अकाल है। किसान, गरीब, महिलाएं सब

अपमानित हो रही है। इस जनविरोधी भाजपा सरकार को सन् 2022 में सत्ता से बेदखल करने का संकल्प लेकर ही हम श्री बेनी प्रसाद वर्मा 'बाबू जी' को सच्ची श्रद्धांजलि दे सकेंगे।

श्री यादव ने बेनी बाबू के संस्मरण याद करते हुए कहा कि 2019 में बाराबंकी के उपचुनाव में शारीरिक अस्वस्थताओं के बाद भी उन्होंने समाजवादी पार्टी को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आजादी के बाद भी जिन्हें सम्मान नहीं मिला ऐसे वंचित, अल्पसंख्यक वर्गों के लिए संघर्ष कर अधिकार दिलाने में बेनी बाबू का विशेष योगदान रहा है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बाराबंकी डा. लोहिया के साथी व उनके विचारों को आगे बढ़ाने वाले राम सेवक यादव, जी की धरती है। बाराबंकी की जीत सरकार बनाती है। खुशहाली का रास्ता समाजवादी आंदोलन ही दिखा सकता है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र का गला घोंट रही है। संविधान द्वारा मिले अधिकारों पर हमला हो रहा है। भारत में एक ईस्ट इण्डिया कम्पनी आयी थी जो कारोबार कर रही थी। वह कब सरकार बन गयी किसी को पता ही नहीं चला। ब्रितानिया हुकूमत ने एक कानून पास किया और कम्पनी सरकार का काम करने लगी। लोकतंत्र में यदि सरकार कम्पनी बन जाये तो आम जनता के अधिकारों का क्या होगा?

श्री यादव ने कहा प्राइवेट हाथों से संचालन होने पर आरक्षण और संविधान प्रदत्त अधिकार समाप्त हो जायेंगे। भाजपा की दोषपूर्ण नीतियों से किसानों-नौजवानों का भविष्य संकटग्रस्त है। किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। किसानों ने ही देश को महामारी से बचाया है। अन्नदाता ने मेहनत न की होती तो देशवासियों को भूखों रहना पड़ता। भाजपा की राय किसानों के प्रति सम्मानजनक नहीं है। भाजपा सरकार किसानों को अपमानित कर रही है।

जनविरोधी भाजपा सरकार को सन् 2022 में सत्ता से बेदखल करने का संकल्प लेकर ही हम श्री बेनी प्रसाद वर्मा 'बाबू जी' को सच्ची श्रद्धांजलि दे सकेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के चार साल बीतने के बाद भी कोई काम नहीं दिख रहा है। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के कार्यकाल में कितने उद्योग लगे और कितनी नौकरियां मिली यह सच्चाई सबको पता है। 22 महीने में बना आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे समाजवादियों का कार्य करने का तरीके के उदाहरण है। सत्ताधारी लोग लाल टोपी देख कर घबरा जाते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि समाजवादी सरकार बनाने जा रहे हैं। जनता को गुमराह करने वालों की उल्टी गिनती शुरू हो गयी है।

श्री यादव ने कहा कि विपक्ष में रहते हुए प्याज की माला, सिलेंडर के साथ महंगाई के विरोध में प्रदर्शन करने वाले भाजपा के लोग आज कहां गायब हो गए? डीजल- पेट्रोल के बढ़े दाम और रसोई गैस की मूल्यवृद्धि से जनता कराह रही है। भाजपा सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि बढ़ी महंगाई से

रहा मुनाफा कहां जा रहा है?

श्री अखिलेश यादव ने श्रद्धांजलि सभा में पिछड़े, अल्पसंख्यक और नौजवानों के खिलाफ काम कर रही ताकतों को सबक सिखाने का संकल्प लेने की अपील की। बेनी बाबू के पुत्र पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कार्यक्रम के संयोजक श्री राकेश वर्मा ने उपस्थित जनता से 2022 में समाजवादी पार्टी की जीत का आह्वान किया। श्री वर्मा ने कहा कि बाराबंकी में आज एक लाख से भी अधिक लोगों के जन समर्थन ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया कि श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए जनता उत्साहित है।

कार्यक्रम का संचालन श्री राजेश यादव 'राजू' सदस्य विधान परिषद ने किया। इस अवसर पर सर्वश्री माता प्रसाद पाण्डेय, इन्द्रजीत सरोज, राजेन्द्र चौधरी, नरेश उत्तम पटेल, रवि प्रकाश वर्मा, ओम प्रकाश सिंह, अरविन्द सिंह गोप, नरेन्द्र वर्मा, राम प्रसाद चौधरी, विनोद कुमार सिंह उर्फ पण्डित सिंह, फरीद महमूद किदवई, योगेश प्रताप सिंह, राममूर्ति वर्मा, पवन पाण्डेय, श्रीमती लीलावती कुशवाहा, सुरेन्द्र पटेल, डा राजपाल कश्यप, सुरेश यादव, संतोष यादव सनी, संग्राम यादव, हीरालाल यादव, गौरव रावत, जूही सिंह, प्रो अली महमूदाबाद, अखिलेश कटियार, श्रीमती कांति सिंह, एस.पी. सिंह, अरुण वर्मा, विशाल वर्मा, किसान सिंह सैंथवार, अतुल प्रधान, सैय्यद अब्बास अली जैदी, चौधरी अदनान, डा. आशुतोष वर्मा एवं श्रीमती पूनम गिहार सहित अन्य प्रमुख लोग मौजूद रहे।

बाराबंकी में आज एक लाख से भी अधिक लोगों के जन समर्थन ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया कि श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए जनता उत्साहित है

समाजवादी कलाकार घेरा

सरकारी उत्पीड़न के खिलाफ
कलाकार एकजुट

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर दिनांक 27 मार्च 2021 को समाजवादी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ द्वारा 'कलाकार घेरा' कार्यक्रम राजधानी सहित प्रदेश के सभी जनपदों में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

कलाकारों ने भाजपा राज में कलाकारों के उत्पीड़न के खिलाफ अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति से विरोध प्रदर्शन किया। कलाकारों ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कलाओं के राजनीतिकरण के खिलाफ सत्ता दल की साजिशों की निंदा करते हुए भाजपा सरकार को हटाने का संकल्प दोहराया।

कलाकारों ने एकमत होकर कहा कि वर्तमान सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा आरएसएस की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए कलाकारों पर अनुचित दबाव बनाया जाता है। कलाकारों के मानदेय और पेंशन में भेदभाव किया जाता है। कलाओं की विविधता को भाजपा राज में खतरा पैदा हो गया है। कलाकार की स्वतंत्रता का दमन किया जा रहा है और विरोध का स्वर उठाते ही कलाकार के खिलाफ एफआईआर और आरोप पत्र दर्ज हो जाता है।

कलाकार घेरा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में एकत्र कलाकारों ने संकीर्ण सोच वाली भाजपा को सत्ता से हटाने और सन् 2022 के चुनावों में श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी सरकार बनाने का दृढ़ संकल्प दोहराया।

राजधानी लखनऊ में समाजवादी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव श्री अच्छे लाल सोनी की उपस्थिति में लखनऊ महानगर एवं लखनऊ जिला में कलाकार घेरा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कलाकारों ने भागीदारी की। लखनऊ महानगर में श्री गिरजेश श्रीवास्तव, जहीर अब्बास, वर्षा श्रीवास्तव, मोहम्मद शरीफ उर्फ बल्ले तथा जिला में प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्री राजकुमार यादव उर्फ गुड्डन यादव और उनके साथियों ने गीत-संगीत के साथ भाजपा विरोध को स्वर दिया और समाजवादी आंदोलन का महत्व बताया।

गाजीपुर में सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री काशीनाथ यादव, श्री पारस नाथ यादव, विजय यादव के नेतृत्व में कलाकार घेरा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आजमगढ़ में सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र सोलंकी भुर्जी और अशोक के नेतृत्व में कलाकारों ने बैठक कर कलाकारों के साथ भाजपा सरकार के अपमानजनक व्यवहार को शर्मनाक बताया।

प्रयागराज में जिला सांस्कृतिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्री अभयराज यादव के साथ प्रियंका माधुरी, सूरज यदुवंशी, श्याम शंकर, रानी गुप्ता, प्रदीप नारायण, राज पटेल, हरगोविन्द, संदीप, जंगबली तथा अन्य कई कलाकारों ने घेरा कार्यक्रम को सफल बनाया। गोरखपुर में श्री रामहेतु यादव प्रकोष्ठ अध्यक्ष के साथ लालबहादुर और उनके साथियों ने कलाकार घेरा के आयोजन में कलाकारों के साथ भाजपा सरकार द्वारा

विश्व रंगमंच दिवस
27 मार्च
कलाकार घेरा
समाजवादी पार्टी, वाराणसी

कार्यालय
समाजवादी पार्टी
आमिर हुसैन

अपमानजनक व्यवहार किए जाने का उल्लेख किया और सन् 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का संकल्प लिया।

वाराणसी में जिला सांस्कृतिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्री दिनेश यादव के साथ उपेन्द्र यादव, अश्विनी चौहान, पंकज पाल पुजारी ने और वाराणसी महानगर में अचल राघवानी, विकास बाबर, स्वाती विश्वकर्मा, नंदिनी विश्वकर्मा तथा नाट्य कलाकार देवमेष शुक्ला एवं तापस शुक्ला ने प्रस्तुतियां दी तथा भाजपा की कलाकार विरोधी नीतियों की निंदा की।

हापुड़ में यूसुफ राजा, महाराजगंज में राजाराम भारती, बस्ती में जोखू लाल यादव, मुजफ्फरनगर में सिद्धांत विंध्याचल, डॉ0 इसरार अल्वी, मिर्जापुर में राजेश यादव, कुशीनगर में नजीबुल्लाह राही, मऊ में हरिकेश यादव, कलाकार घेरा कार्यक्रम में सिद्धार्थनगर में श्री हरीलाल यादव, अयोध्या में श्री रामस्वरूप के नेतृत्व में गीत-संगीत के साथ भाजपा का विरोध हुआ।

बरेली में कलाकार घेरा कार्यक्रम में भाजपा विरोधी नुक्कड़ नाटक भी हुआ। इस कार्यक्रम में श्री राम औतार यादव, श्री बिलाल खां, श्री विशाल अग्रवाल, शमीम खां सुल्तानी, मयंक शुक्ला, संजय शास्त्री, समीर जैदी, उमेश मौर्य, सुनील गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, शीतल सैनी एवं आशीष रावत आदि द्वारा भाजपा विरोधी गीत गाये गए।

शहीद दिवस पर मेरठ में महासभा

जनता समाजवादियों का इंतजार कर रही है

— अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने दिनांक 23 मार्च 2021 को शहीद दिवस के अवसर पर मेरठ के मवाना में क्रांतिकारी शहीद कोतवाल धन सिंह गुर्जर की प्रतिमा का अनावरण करते हुए कहा कि उन्होंने 1857 की क्रांति की शुरुआत की। यदि वे अपने मकसद में कामयाब हो जाते तो भगत सिंह को फांसी का फंदा नहीं चूमना पड़ता। इन शहीदों की कुर्बानी से देश आजाद हुआ।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि डा. राम मनोहर लोहिया को 1942 के अंग्रेजों भारत छोड़ो के आंदोलन के दौरान काफी मानसिक-शारीरिक यंत्रणाएं दी गईं। उन्होंने राजनीति को नई दिशा दी। समाजवादी पार्टी उनके बताए रास्ते पर चलने को संकल्पित है। उन्होंने समाजवाद का व्यवहारिक दर्शन दिया। मवाना के नवजीवन डिग्री कालेज में श्री अतुल प्रधान द्वारा महासभा का आयोजन किया गया।

श्री अखिलेश यादव ने एकत्र विशाल जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस देश में व्यापार के लिए ईस्ट इंडिया कंपनी आई थी जो ब्रिटेन में पारित एक कानून से सरकार बन गई। उसने देश को आर्थिक सामाजिक राजनीतिक रूप से बहुत नुकसान पहुंचाया। आज भाजपा देश में कंपनी शासन थोपने का वैसा ही प्रयास कर रही है। सरकार कंपनी की तरह काम कर रही है। देश की आजादी के बाद राजनीति और व्यापार का ऐसा तालमेल कभी नहीं देखा गया। उद्योगपतियों को मुनाफा हो रहा है, किसान को नुकसान हो रहा है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जनता महंगाई, बेरोजगारी से परेशान है। भाजपा ने अपने आंख-कान बंद कर रखे हैं। उसे जनता की तकलीफ नहीं दिखाई-सुनाई दे

रही है। जनता समाजवादियों का इंतजार कर रही है। भाजपा की केन्द्र-राज्य सरकारें समाजवादी सरकार जैसे विकास कार्य नहीं कर पाई है। भाजपा देश को नफरत की राजनीति की ओर ले जा रही है जबकि समाजवादियों ने हमेशा समाज की एकता और देश को आगे बढ़ाने का काम किया है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि किसानों ने पूरे देश को जगाने का काम किया है। आज देश का किसान जाग गया है। किसानों को फसलों की एमएसपी नहीं मिली। गन्ना किसानों को बकाया नहीं मिला। गन्ने का मूल्य नहीं बढ़ाया गया। भाजपा झूठे वादे करती रही है। किसानों के आंदोलन को भाजपा बदनाम कर रही है। उसने पेट्रोल-डीजल महंगा कर दिया है परन्तु किसान की फसल सस्ती है। देश की अर्थव्यवस्था लगातार नीचे जा रही है। बैंक डूब रही हैं। अगर खेती बर्बाद हो गई, नौजवानों को नौकरी नहीं मिली तो देश कैसे आगे बढ़ेगा? विश्व गुरु कैसे बनेगा?

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल के चुनाव में भाजपा ने हर हथकंडे अपनाए। इसके मद्देनजर हमें उत्तर प्रदेश में सावधान रहना है। अगर जनता ने भाजपा को राज्यों के चुनाव में हरा दिया तो तो वह तीनों कृषि कानूनों को लागू नहीं कर पाएगी क्योंकि इन कानूनों के लागू होने से किसान खेती पर अपना मालिकाना हक खो देगा और उसके खेत पर उद्योगपतियों का कब्जा हो जाएगा।

कान्हा की नगरी में लगी
समाजवादी पाठशाला

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश के कई जनपदों में आयोजित हो चुके कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविरों की कड़ी में 17 और 18 मार्च को मथुरा में शिविर का आयोजन हुआ।

शिविर के पहले जिन वरिष्ठ नेताओं एवं विषय विशेषज्ञों ने कार्यकर्ताओं को संगठन से लेकर चुनाव संचालन तक के जरूरी गुर सिखाए। सुबह 10 बजे से शाम तक दो सत्रों में हुए प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने पार्टी की रीति-नीति की जानकारी दी। उन्होंने 2022 के विधानसभा चुनाव के लिए संगठन को मजबूत करने पर बल दिया।

शहर के ओम पैराडाइज मैरिज होम में हुए दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के अंतिम दिन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने इसे संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जनता 2022 में समाजवादियों की सरकार वापस लाने का मन बना चुकी है। लिहाजा सपा के

बाईस का चुनाव चुनौती व संभावना दोनों

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि 2022 में होने वाला विधानसभा चुनाव चुनौती और संभावना दोनों हैं। यह सामान्य चुनाव नहीं है, भविष्य का भी चुनाव है। भाजपा की भय और भ्रम की राजनीति से लोकतंत्र की सुरक्षा करनी होगी। इसमें समाज के प्रबुद्ध नागरिकों की ऐतिहासिक जिम्मेदारी है। समाजवादी विचारधारा को सशक्त बनाकर ही सामाजिक न्याय और सम्मान को खतरा उत्पन्न करने की भाजपा की साजिशों से मुकाबला किया जा सकता है।

श्री अखिलेश यादव ने दिनांक 2 अप्रैल 2021 को समाजवादी पार्टी कार्यालय, लखनऊ में समाज के प्रबुद्ध वर्ग के लोगों से मुलाकात के दौरान यह बात कही। इनमें शिक्षाविद, कलाकार तथा विश्वविद्यालयों के अध्यापकगण शामिल थे।

श्री अखिलेश यादव ने चेताया कि भाजपा समाज के लिए खतरनाक है। वह सामंतवादी व्यवस्था की पुनरावृत्ति कर रही है। नफरत फैलाकर समाज के बीच विद्वेष पैदा करने में भाजपा लगी है। धनबल से सत्ता का दुरुपयोग हो रहा है। आज देश संकट के दौर से गुजर रहा है। भाजपा सरकार में बोलने की आजादी छीनी जा रही है। लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। किसान को न तो फसल का लाभप्रद मूल्य मिल रहा है न ही गन्ना किसानों का बकाया भुगतान हो रहा है। नौजवान बेकारी में जिंदगी काटने को मजबूर है। नौकरियां हैं नहीं, कोरोना संकट के बहाने जो हैं वे भी छीनी जा रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा विकास में दिलचस्पी नहीं रखती है। समाजवादी सरकार में ही सबके विकास के काम हुए हैं। भाजपा राज में शिक्षा-स्वास्थ्य के क्षेत्र में बदहाली है। वस्तुतः भाजपा नेतृत्व के पास कोई विजन नहीं है। समाज का एक वर्ग आज भी उपेक्षित है। वह विकास की मुख्यधारा में शामिल होने की जद्दोजहद में है। मुलाकात में शामिल बुद्धिजीवियों ने कहा कि अखिलेश जी का बेदाग चरित्र है। उन पर कोई उंगली नहीं उठा सकता है। वे समग्र समाज के विकास के बारे में सोचते हैं। अपने मुख्यमंत्रित्व काल में उन्होंने किसानों, गरीबों तथा अल्पसंख्यकों के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे सन् 2022 के चुनाव में पूर्ण बहुमत की समाजवादी सरकार बनाएंगे और अखिलेश यादव जी को मुख्यमंत्री बनाकर जनाकांक्षाओं को पूरा किया जायेगा।

बूथ स्तर के कार्यकर्ताओ को कुशल चुनावी रणनीति पर अमल करना होगा।

ब्रज के अपने इस दौरे के क्रम में श्री अखिलेश यादव ने ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन-पूजन किए। उन्होंने जयसिंहपुरा स्थित अखिल भारतीय बंजारा उदासीन आश्रम, उदासीन टीला, कालियानाग मर्दन मंदिर जयकुंड गांव जैत, ब्रह्मावन चौमुहां व बरसाना में राधारानी मंदिर समेत अन्य धार्मिक स्थानों के दर्शन भी किए।

फोटो फीचर : ब्रज में अखिलेश

प्रवेश निषेध

श्यामा प्यारी कुंज बिहारी जै जै श्री हरिदास दुलारी

सीयर माता के आशीर्वाद संग निषाद समाज से संवाद

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने दिनांक 5 अप्रैल 2021 को फिरोजाबाद के टूंडला में ग्राम कोट कसौदी, रसूलाबाद में निषाद समाज की कुलदेवी सीयर माता मंदिर में दर्शन कर नेजा (ध्वज पताका)

चढ़ाकर हवन पूजन किया। श्री अखिलेश यादव ने मंदिर के समीप स्थित महाराजा निषादराज गुह्य की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि निषाद समाज का प्रकृति से गहरा रिश्ता है। मानव सभ्यता और संस्कृति के क्रमिक विकास का यह समाज साक्षी रहा है। नदियों से यह समाज भावनात्मक रूप से जुड़ा है। श्री यादव ने निषाद समाज की आस्था का केन्द्र माता सीयर देवी की पूजा कर प्रदेश में खुशहाली और समृद्धि की कामना की।

श्री यादव ने ऋषि-मुनियों में श्रेष्ठ महर्षि कश्यप एवं श्रृंगवेरपुर के राजा निषादराज गुह्य की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि दोनों का जीवनदर्शन मानवता के लिए प्रेरणादायक है।

सर्वश्री पूर्व केन्द्रीय मंत्री रामजी लाल सुमन, पूर्व सांसद अक्षय यादव एवं तेज प्रताप यादव, राष्ट्रीय महान गणतंत्र पार्टी (रामगपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आनंद निषाद, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजपाल कश्यप, उदयवीर सिंह, दिलीप यादव व बी.पी.यादव जिलाध्यक्ष फिरोजाबाद सहित सैकड़ों लोगों ने श्री यादव का स्वागत कर निषाद समाज की कुलदेवी का दर्शन करने के लिए आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर संजय यादव, अंशू रानी निषाद, मेला कमेटी अध्यक्ष कपूर चंद निषाद, गोरख निषाद, नंद किशोर कश्यप, राजेन्द्र राठौर सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय लखनऊ सहित प्रदेश के विभिन्न जनपद कार्यालयों में भी महर्षि कश्यप और महाराजा निषादराज गुह्य की जयंती मनाई गई। उनके चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की गई।

निषाद समाज का प्रकृति से गहरा रिश्ता है। मानव सभ्यता और संस्कृति के क्रमिक विकास का यह समाज साक्षी रहा है। नदियों से यह समाज भावनात्मक रूप से जुड़ा है

सर्वश्री पूर्व केन्द्रीय मंत्री रामजी लाल सुमन, पूर्व सांसद अक्षय यादव एवं तेज प्रताप यादव, राष्ट्रीय महान गणतंत्र पार्टी (रामगपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आनंद निषाद, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 राजपाल कश्यप, उदयवीर सिंह, दिलीप यादव सदस्य विधान परिषद, ओम प्रकाश वर्मा एवं राकेश बाबू पूर्व विधायक, बी.पी.यादव जिलाध्यक्ष फिरोजाबाद सहित सैकड़ों लोगों ने श्री यादव का स्वागत कर निषाद समाज की कुलदेवी का दर्शन करने के लिए आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर संजय यादव, अंशू रानी निषाद, मेला कमेटी अध्यक्ष कपूर चंद

निषाद, गोरख निषाद, नंद किशोर कश्यप, राजेन्द्र राठौर सहित अन्य लोग भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

इससे पहले दिनांक 4 अप्रैल 2021 को समाजवादी पार्टी कार्यालय लखनऊ में अयोध्या से आए निषाद समाज एवं उद्योग व्यापार मण्डल के प्रतिनिधियों ने श्री अखिलेश यादव का अभिवादन किया।

प्रतिनिधियों से वार्ता करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि धर्म का इस्तेमाल सत्ता सुख पाने के लिए नहीं होना चाहिए। मंदिरों को लेकर राजनीति करना अनुचित है। सत्ता जनसेवा का माध्यम है। स्वार्थसाधन का नहीं। अयोध्या तीर्थस्थल है जहां बड़ी संख्या में दर्शनार्थ श्रद्धालु देश के कोने-कोने से आते हैं। इनके आने से पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ तमाम मठ-मंदिरों से जुड़े परिवारों का भी पालन होता है। उनको उजाड़ने की भाजपा सरकार की चेष्टा शर्मनाक है।

उन्होंने कहा कि भाजपा नफरत और समाज को बांटने का काम करती है। विकास का अर्थ विनाश नहीं होता है। गरीबों के लिए रोटी-रोजगार की व्यवस्था करने के बजाय उनको उजाड़ने का काम करने से पहले उनकी समस्याओं का समाधान भी करना चाहिए। सहमति के आधार पर काम करने का तरीका अपनाने से सद्भाव बढ़ता है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि निषाद समाज लोगों की जान बचाने का पुण्य कार्य करता है। पानी में जान बचाना आसान काम नहीं। श्री अखिलेश यादव ने डूबते लोगों की जान बचाने वाले निषाद समुदाय के लोगों के साहस की सराहना करते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

भाजपा नफरत और समाज को बांटने का काम करती है। विकास का अर्थ विनाश नहीं होता है। गरीबों के लिए रोटी-रोजगार की व्यवस्था करने के बजाय उनको उजाड़ने का काम करने से पहले उनकी समस्याओं का समाधान भी करना चाहिए।

भाजपा सरकार निषाद समाज की उपेक्षा के साथ उनके जीवन यापन के साधनों पर भी रोक लगाना चाहती हे। वाराणसी में उनकी नावें तक तोड़ दी गईं। समाजवादी पार्टी निषादों के साथ है। भविष्य में उनकी मदद में कतई कोताही नहीं होगी। 2022 में समाजवादी सरकार बनने पर निषाद समाज के साथ कोई अन्याय नहीं कर सकता।

निषाद समाज के लोगों ने कहा कि भाजपा राज में उनका उत्पीड़न हो रहा है। उन पर फर्जी केस लगाए जा रहे हैं। भाजपा सरकार उन पर अत्याचार कर रही है। निषाद समाज का भरोसा समाजवादी पार्टी पर है। अखिलेश जी के मुख्यमंत्री बनने पर ही उनकी जिंदगी सुधर सकेगी।

अयोध्या उद्योग व्यापार मण्डल के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को सम्बोधित ज्ञापन में कहा कि फोरलेन सड़क निर्माण से अधिकांश मठ-मंदिर के मुख्य द्वार टूटने से उसकी स्थिति में परिवर्तन आ जाएगा। अधिकांश व्यापारी-दुकानदार-किरायेदार विस्थापित हो जायेंगे। इससे उनकी जीविका का साधन छिनेगा और लोग विकल्प के अभाव में सड़क पर आ जाएंगे। जहां भाजपा सरकार द्वारा अयोध्या के मठ-मंदिरों की जीर्णोद्धार-मरम्मत व सौंदर्यीकरण की योजना चलाने की बात की जाती है वहीं दूसरी ओर फोरलेन सड़क बनने पर उन्हें तोड़ दिया जायेगा। जिससे मंदिर के अंदर बनी दुकानों को भी तोड़ दिया जायेगा। नया घाट से सआदतगंज तक लगभग 4-5 हजार दुकानदार-व्यापारी हैं जो अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में नंद कुमार गुप्ता, विपिन राय, गुड्डू मोदनवाल, प्रमोद जायसवाल, संतोष गुप्ता, शक्ति जायसवाल, राम नारायण मौर्य, बिन्नी मौर्य, मनोज जायसवाल, सुशील जायसवाल, सुजीत जायसवाल, नरेश अग्रवाल और अवधेश आदि शामिल थे। पूर्व मंत्री पवन पाण्डेय, गंगा सिंह यादव जिलाध्यक्ष अयोध्या, गयादीन यादव उपाध्यक्ष भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

बाबा साहेब की जयंती पर संविधान रक्षा का संकल्प

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी की ओर से दिनांक 14 अप्रैल को संविधान निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पार्टी मुख्यालय, लखनऊ सहित देश-प्रदेश स्तर पर मनाई गई और संविधान की रक्षा के संकल्प के साथ घरों, सार्वजनिक स्थलों तथा बाबा साहेब की प्रतिमाओं के निकट दीप जलाकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

इससे पूर्व बाबा साहेब की जयंती की पूर्व संध्या पर 13 अप्रैल को समाजवादी पार्टी मुख्यालय, लखनऊ सैकड़ों मोमबत्तियों के प्रकाश से जगमगा उठा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव स्वयं इस अवसर पर मौजूद रहे।

श्री अखिलेश यादव ने डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर अपनी भावांजलि देते हुए कहा है कि उनके जन्मदिन पर संविधान रक्षा के संकल्प के साथ दीपावली कार्यक्रम को संकीर्णता में नहीं बांधना

चाहिए। समाजवादी पार्टी का उद्देश्य वंचित लोगों में अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना और उनके अंदर ज्ञान एवं स्वाभिमान को प्रकाशवान बनाना है। आज का दिन प्रत्येक शोषित, पिछड़े और वंचितों का पर्व है। इससे संविधान के लिए प्रतिबद्धता का भी निश्चय झलकता है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इधर भाजपा राज में दलितों, वंचितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों पर संकट गहराता जा रहा है। इन तमाम वर्गों को लोकतांत्रिक अधिकारों से वंचित करने की साजिशें चल रही है। समाजवादी पार्टी ने आज के दिन जनता को एकाधिकारी मानसिकता के वास्तविक खतरे से सावधान किया है।

समाजवादी पार्टी मुख्यालय, लखनऊ में बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। सर्वश्री राजेन्द्र चौधरी राष्ट्रीय सचिव, नरेश उत्तम पटेल प्रदेश अध्यक्ष, अरविन्द कुमार सिंह कार्यालय प्रभारी, उदयवीर सिंह एवं रामवृक्ष सिंह यादव सदस्यगण विधान परिषद ने भी अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

समाजवादी पार्टी का उद्देश्य वंचित लोगों में अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना और उनके अंदर ज्ञान एवं स्वाभिमान को प्रकाशवान बनाना है। आज का दिन प्रत्येक शोषित, पिछड़े और वंचितों का पर्व है। इससे संविधान के लिए प्रतिबद्धता का भी निश्चय झलकता है।

बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती की संध्या पर जनेश्वर मिश्र पार्क में दीप जलाकर भावांजलि दी गई। जगमग वातावरण के बीच सैकड़ों दीपों की लौ से पार्क में मोहक दृश्य पैदा हो गया था जिसके आकर्षण में बंधे बड़ी संख्या में स्त्री-पुरुष-बच्चे वहां एकत्र हुए। समाजवादी पार्टी के सभी जनपद कार्यालयों में भी बाबा साहेब को याद किया गया और दीपमालाओं की लड़ियां सजाई गईं। पार्टी कार्यकर्ताओं और

पदाधिकारियों ने भी अपने आवास पर दिए जलाए। पार्टी की बैठकों में बाबा साहेब के रास्ते पर चलने और संविधान की रक्षा का संकल्प भी दोहराया गया।

इससे पहले बाबा साहेब की जयंती की पूर्व संध्या पर समाजवादी पार्टी मुख्यालय, लखनऊ सैकड़ों मोमबत्तियों के प्रकाश से जगमगा उठा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने डा. अम्बेडकर सहित डा. राममनोहर लोहिया और श्री बी.पी. मण्डल को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा का सत्ताकाल कालिमामय है। लोकतंत्र और संविधान दोनों को कमजोर किया जा रहा है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि डा. लोहिया और डा. अम्बेडकर के बीच एक साथ मिलकर राजनीति करने का प्रसंग बना था। उससे दलित राजनीति का मुख्यधारा और समाजवादी विधारधारा से जुड़ने का मार्ग प्रशस्त होता और एक बड़ी ताकत बनती परन्तु असमय बाबा साहेब के निधन से वह एकता नहीं हो सकी। देश के लिए प्रगति का द्वार खोलने का सिर्फ और सिर्फ यही रास्ता है, और उस रास्ते को दिखाने वाले बाबा साहेब को आज हम बारम्बार प्रणाम करते हैं।

सपा एवं रालोद की साझा ताकत में

भाईचारे का संदेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने 19 मार्च 2021 को मथुरा के बाजना स्थित मोरकी इंटर कॉलेज मैदान में किसान महापंचायत को संबोधित करते हुए केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार को किसान विरोधी करार देते हुए जमकर निशाना साधा। इस किसान महापंचायत का आयोजन समाजवादी पार्टी एवं राष्ट्रीय लोकदल ने मिलकर किया। इसे राष्ट्रीय लोकदल के उपाध्यक्ष श्री जयंत चौधरी ने भी संबोधित किया। सभा के मंच से ऐलान किया गया कि 2022 में उत्तर प्रदेश में भाईचारे की सरकार बनेगी।

किसानों को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा कि किसान आंदोलन से कोई घबराया हो या नहीं, लेकिन भाजपा जरूर घबरा रही है। जिस तरह से किसान अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं, भाजपा को पता चल गया है कि अब किसान नहीं रुकने वाले हैं। उन्होंने कहा कि जब तक किसान विरोधी काले कानून वापस नहीं होंगे, यह लड़ाई चलती रहेगी। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह से बड़ा किसान नेता कोई नहीं था। किसान तभी खुशहाल

होगा, जब उसकी बात करने वाले सदन में होंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार ने नोटबंदी की थी, उससे क्या कालाधन वापस आया? जीएसटी कानून लागू किया। इससे कौन सा कारोबार बढ़ गया? वैश्विक महामारी ने जनता ने उस पर भरोसा किया। लोगों ने कोरोना से बचाव के लिए मास्क लगाया, लेकिन भाजपा की सरकार ने अपनी आंखों और कान बंद कर रखे हैं। किसानों का दर्द सुनाई नहीं दे रहा। क्या किसानों की आय दोगुनी हुई है? इस सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दी हैं। महंगे डीजल ने किसानों की परेशानी और बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा साजिश रचने वाली पार्टी है। इसने हमें बांटकर सत्ता पाई है। अब किसान एकजुट होकर भाजपा का सत्ता से हटाएगा।

श्री अखिलेश यादव से पहले महापंचायत को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय लोकदल के उपाध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा कि इससे पहले रालोद उपाध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा कि श्री अखिलेश यादव के कंधों पर देश की बड़ी जिम्मेदारी है। 2009 में इसी भूमि से भूमि अधिग्रहण कानून बदलने का काम शुरू हुआ था। साझा वोट की चोट से भाजपा के घमंड को तोड़ना है। किसानों को मजबूत होना पड़ेगा।उन्होंने किसानों का आह्वान किया कि इस एकता को खंडित न होने देना। समाजवादी पार्टी व राष्ट्रीय लोकदल का गठबंधन सामाजिक गठबंधन में बदलेगा और देश की राजनीति बदल जाएगी।

हाई कोर्ट ने माना यूपी में हो रहा है एनएसए का दुरुपयोग

बुलेटिन ब्यूरो

जनवरी 2018 और दिसंबर 2020 के बीच इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एनएसए के तहत हिरासत को चुनौती देने वाली 120 बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं में अपना फैसला सुनाया। उच्च न्यायालय ने 94 निरोधों में से 32 जिलों में डीएम के आदेशों को रद्द कर दिया और बंदियों की रिहाई का आदेश दिया।

विभिन्न स्थानों से जमा किये गए मुख्य विवरण वाली पुलिस एफआईआर; दिमाग़ की गैर हाज़िरी को दर्शाते जिला मजिस्ट्रेटों द्वारा हस्ताक्षर किए गए अभियोग आदेश; अभियुक्त की जांच प्रक्रिया को पूरी तरह से नकारना और केस दर केस जमानत को रोकने के लिए कानून का बार-बार इस्तेमाल ;-

इन मामलों को देखते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इसे उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (एनएसए) का दुरुपयोग माना है।

आंकड़े दर्शाते हैं कि एनएसए लगाने के कारणों में गोहत्या का आरोप अव्वल नंबर पर आता है। इससे सम्बंधित 41 मामले हैं, जो उच्च न्यायालय में आने वाले कुल मामलों के एक तिहाई से अधिक हैं। सभी आरोपी अल्पसंख्यक समुदाय से हैं।

उच्च न्यायालय ने इनमें से 30 मामले, जो

70% से अधिक है, में एनएसए के आदेश को रद्द कर दिया और याचिकाकर्ता की रिहाई के आदेश दिए हैं। यहां तक कि एक केस को छोड़कर जिसमे आरोपी की कैद को बरक़रार रखा गया है, शेष 11 गोहत्या के मामलों में निचली अदालत और उच्च न्यायालय द्वारा बाद में आरोपी को दी गई जमानत स्पष्ट करती है कि उनकी न्यायिक हिरासत की आवश्यकता नहीं थी।

समाचार पत्र की पड़ताल में ये प्रमुख तथ्य सामने आए-

* हिरासत के 11 मामलों में डीएम द्वारा अदालत में तलब करने के लिए आदेश पारित करते समय "दिमाग़ से काम नहीं" लिया गया है।

* 13 हिरासतों में अदालत ने कहा कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति को प्रभावी ढंग से अपना पक्ष रखते हुए एनएसए को चुनौती देने वाले अवसर से वंचित रखा गया था।

* सात हिरासतों में अदालत ने कहा कि ये मामले "कानून और व्यवस्था" के दायरे में आते हैं और एनएसए लागू करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

* छह हिरासतों में अदालत ने कहा कि एनएसए को अकेले मामले के आधार पर पेश किया गया था - और यह कि आरोपी की कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं थी।

* एफआईआर के मामले में कट और पेस्ट के कई उदाहरण मौजूद हैं। नौ मामलों में पुलिस ने जिस एफआईआर के आधार पर एनएसए लागू करने की कार्रवाई की उसमें गोहत्या की खबर एक गुमनाम मुखबिर द्वारा दी गई थी।

न सिर्फ एफआईआर की सामग्री, यहां तक कि एनएसए के आदेशों में डीएम द्वारा बताए गए हिरासत के आधार भी आश्चर्यजनक रूप से समान हैं - और कई मामलों में शब्दशः एक जैसे। मसलन-

* सात अभियोग में गोहत्या का आरोप लगाते हुए एनएसए आदेश कहता है कि "भय और आतंक के माहौल से पूरा क्षेत्र घिरा हुआ था।"

* छह निरोधों में एनएसए के आदेशों में छह समान आधारों का इस्तेमाल किया गया:कुछ "अज्ञात व्यक्ति" मौके से भाग गए; घटना के कुछ मिनट बाद, पुलिस कर्मियों पर "हमला" किया गया; पुलिस पार्टी पर हमले के कारण, "लोग अस्त व्यस्त होकर भागने लगे और स्थिति तनावपूर्ण हो गई"; लोग "सुरक्षित स्थान पर पहुंचने के लिए दौड़ने लगे";"ख़राब माहौल के कारण लोग अपने रोज़मर्रा के काम में शामिल नहीं हो रहे हैं"; आरोपी की इस हरकत के कारण "इलाके का सुकून और शांति और कानून और व्यवस्था की स्थिति बहुत खराब हो गई थी"।

* दो अभियोगों में एनएसए के आदेशों का आधार समान हैं: " खासकर महिलाएं अपने घर से बाहर जाने और अपने रोज़मर्रा के कामों के प्रति अनिच्छुक हो गईं"; और यह कि "ज़िंदगी की रफ़्तार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा और सार्वजनिक व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई"।

* दो अन्य अभियोगों में आधार समान थे: "डर का माहौल विकसित हो गया था,पास के गर्ल्स स्कूल के दरवाजे बंद हो गए थे ठीक उसी तरह पड़ोस के भी।"

(साभार- द इंडियन एक्सप्रेस समाचार पत्र)

असंवैधानिक है रासुका का बेजा इस्तेमाल

क़ानूनी पहलू

देवेन्द्र उपाध्याय

एडवोकेट

राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम-1980, देश की सुरक्षा के लिए सरकार को अधिक शक्ति देने से संबंधित एक कानून है। यह कानून केंद्र और राज्य सरकार को किसी भी संदिग्ध नागरिक को हिरासत में लेने की शक्ति देता है।

देश में कई प्रकार के कानून बनाए गए हैं। ये कानून अलग-अलग स्थिति में लागू किए जाते हैं। इन्हीं मे से एक है रासुका यानी राष्ट्रीय सुरक्षा कानून। 23 सितंबर, 1980 को इंदिरा गांधी की सरकार के दौरान इसे बनाया गया था। यह कानून देश की सुरक्षा प्रदान करने के लिए सरकार को अधिक शक्ति देने से संबंधित है। यह कानून केंद्र और राज्य सरकार को संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेने की शक्ति देता है, परन्तु उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार इस कानून का दुरुपयोग कर रही है।

इस कानून के अंतर्गत कार्यवाही तभी की जा सकती है जब सरकार को लगता है कि कोई व्यक्ति उसे देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले कार्यों को करने से रोक रहा है तो वह उसे उक्त कानून के तहत गिरफ्तार करने का आदेश दे सकती है। यदि सरकार को लगता है कि कोई व्यक्ति कानून व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने में उसके सामने बाधा खड़ी कर रहा है तो वह उसे हिरासत में लेने का आदेश दे सकती है। इस कानून का इस्तेमाल जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त अपने सीमित दायरे में भी कर सकते हैं।

उक्त कानून के तहत किसी व्यक्ति को पहले तीन महीने के लिए गिरफ्तार किया जा सकता है। फिर, आवश्यकतानुसार, तीन-तीन महीने के लिए गिरफ्तारी की अवधि बढ़ाई जा सकती है। एक बार में तीन महीने से अधिक की अवधि नहीं बढ़ाई जा सकती है। अगर, किसी अधिकारी ने यह गिरफ्तारी की हो तो उसे राज्य सरकार को बताना होता है कि उसने किस आधार पर यह गिरफ्तारी की है। जब तक राज्य सरकार इस गिरफ्तारी का अनुमोदन नहीं कर दे, तब तक यह गिरफ्तारी बारह दिन से ज्यादा नहीं हो सकती है। अगर अधिकारी पांच से दस दिन मे जवाब दाखिल करता है तो यह अवधि 12 की जगह 15 दिन की जा सकती है। अगर रिपोर्ट को राज्य सरकार मंजूर कर देती है तो इसे सात दिनों के भीतर केंद्र सरकार को भेजना होता है।

इसमें इस बात का जिक्र करना आवश्यक है कि किस आधार पर यह आदेश जारी किया गया और राज्य सरकार का इस पर क्या विचार है और यह आदेश क्यों जरूरी

है। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत किसी संदिग्ध व्यक्ति को अधिकतम 12 महीने तक जेल में रखा जा सकता है। हिरासत में लिया गया व्यक्ति उच्च न्यायालय के सलाहकार बोर्ड के समक्ष अपील कर सकता है लेकिन उसे इस दौरान वकील करने की अनुमति नहीं होती है। अगर सलाहकार बोर्ड व्यक्ति की गिरफ्तार के कारणों को सही मानता है तो सरकार उसकी गिरफ्तारी को उपयुक्त समय, जितना पर्याप्त वह समझती है, अधिकतम एक वर्ष तक बढ़ा सकती है। अगर समिति गिरफ्तारी के कारणों को पर्याप्त नहीं मानती है तो गिरफ्तारी का आदेश रद्द हो जाता है और व्यक्ति को रिहा करना पड़ता है।

इस अधिनियम के उद्देश्य से केंद्र सरकार और राज्य सरकारें आवश्यकतानुसार एक या एक से अधिक सलाहकार समितियां बना सकती हैं। इस समिति में तीन सदस्य होते हैं, जिसमें प्रत्येक एक उच्च न्यायालय का सदस्य रहा हो या हो या होने के योग्य हो की योग्यता जरूरी होती है। समिति के सदस्यों को सरकार नियुक्त करती है। संघ शासित प्रदेश में सलाहकार समिति का सदस्य किसी राज्य के न्यायाधीश या उसकी क्षमता वाले व्यक्ति को ही नियुक्त किया जा सकेगा। नियुक्ति से पहले इस विषय में संबंधित राज्य से अनुमति लेना आवश्यक है।

इस कानून के तहत गिरफ्तार किसी व्यक्ति को तीन सप्ताह के अंदर सलाहकार समिति के सामने उपस्थित करना होता है। साथ ही सरकार या गिरफ्तार करने वाले अधिकारी को यह भी बताना पड़ता है कि उसे क्यों गिरफ्तार किया गया। सलाहकार समिति उपलब्ध कराए गए तथ्यों के आधार पर विचार करती है या वह नए तथ्य पेश करने लिए कह सकती है। सुनवाई के बाद समिति को सात सप्ताह के भीतर सरकार के समक्ष रिपोर्ट प्रस्तुत करना होता है।

सलाहकार समिति को अपनी रिपोर्ट में साफ-साफ लिखना होता है कि गिरफ्तारी के जो कारण बताए गए हैं वो पर्याप्त हैं या नही। सलाहकार समिति के सदस्यों के बीच मतभेद है तो बहुलता के आधार निर्णय माना जाता है। सलाहकार बोर्ड से जुड़े किसी मामले में गिरफ्तार व्यक्ति की ओर से कोई वकील उसका पक्ष नहीं रख सकता है और सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट गोपनीय रखने का प्रावधान है।

जनवरी 2018 से लेकर दिसंबर 2020 तक यूपी सरकार ने 120 मामलों में नेशनल सिक्योरिटी एक्ट यानी एनएसए लगाया था, इनमें से 94 पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने एनएसए के आदेश को रद्द करते हुए जमानत दी है, साथ ही इसे एनएसए कानून का दुरुपयोग माना है।

इन सभी मामलों में सबसे ज्यादा 41 केस गोकशी से जुड़े है, जिनमें एनएसए लगाया गया है, ये वो मामले हैं जो हाईकोर्ट तक पहुंचे हैं. इसमें एक और खास बात ये है कि इन मामलों में सभी आरोपी अल्पसंख्यक समुदाय से हैं और जिला मजिस्ट्रेट द्वारा प्राथमिकी के आधार पर उनपर गोहत्या का आरोप लगाया गया था।

इनमें से 70 फीसदी से अधिक मामलों में (30 केस) हाईकोर्ट ने यूपी प्रशासन के लगाए एनएसए के आदेश को रद्द कर दिया और याचिकाकर्ता की रिहाई के लिए कहा, यहां तक कि बाकी 11 गो हत्या के मामलों में जहां गिरफ्तारी को बरकरार रखा, एक को छोड़कर, निचली अदालत और हाईकोर्ट ने बाद में आरोपियों को जमानत देते हुए यह स्पष्ट किया कि इनकी न्यायिक हिरासत की आवश्यकता नहीं थी।

- 11 मामलों में, अदालत ने आदेश पारित करते हुए डीएम द्वारा "दिमाग का सही इस्तेमाल नहीं करने" का हवाला दिया है।

- 13 मामलों में, अदालत ने कहा कि हिरासत में लिए गए शख्स को एनएसए को चुनौती देने के लिए सही ढंग से प्रतिनिधित्व करने का अवसर से वंचित किया गया था।

- सात केस में, अदालत ने कहा कि ये मामले "कानून और व्यवस्था" के दायरे में आते हैं और एनएसए लागू करने की कोई आवश्यकता नही है।

- यही नहीं उपरोक्त केसों में एक जैसी बात या कई स्थानों पर कट- पेस्ट जैसी चीजें भी सामने आई हैं।

अब प्रश्न यह उठता है इतनी जटिल प्रक्रिया होने के बावजूद भी एनएसए का दुरुपयोग उत्तर प्रदेश की सरकार कर रही है जिससे आम आदमी को बिना किसी अपराध के जेल की सजा काटनी पड़ रही है जो कि भारतीय संविधान अनुच्छेद 21 के तहत असंवैधानिक है। उल्लेखनीय है कि माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा डा. कफील के विरुद्ध उत्तर प्रदेश की सरकार द्वारा लगाए गए एनएसए के आदेश को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत असंवैधानिक मानते हुये निरस्त किया गया है।

समाजवादी सोच हरियाली से खुशहाली

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार जब भी बनी उसने प्रदेश में जनसामान्य के स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक स्थलों को विकसित करने में गहरी रुचि ली है। राजधानी लखनऊ में जनता के आकर्षण के सबसे बड़े केंद्र के रूप में लोहिया पार्क और जनेश्वर मिश्र पार्क का नाम आता है।

यहां रोजाना सैकड़ों लोग सुबह-शाम भ्रमण करने आते हैं। लोग यहां खुली हवा में सांस लेते हैं। नौजवान खेलकूद-एक्सरसाइज में व्यस्त हो जाते हैं तो बच्चों के लिए यहां कई खेल उपकरण हैं। उनके दौड़ने-भागने के लिए खुला मैदान है। क्यारियों में खिलते फूलों का सौंदर्य बरबस ध्यान खींचता है तो हरे-भरे पेड़ों की छांव में सारी थकान दूर हो जाती है। जनेश्वर पार्क में साइकिलिंग की भी व्यवस्था है।

लखनऊ के गोमतीनगर में 76 एकड़ में बना लोहिया पार्क का निर्माण तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री मुलायम सिंह यादव ने समाजवादी आंदोलन के महानायक डा. राम मनोहर लोहिया की स्मृति में कराया था। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने पर्यावरण की दृष्टि से एशिया के सबसे बड़े पार्क जनेश्वर मिश्र पार्क का 5 अगस्त 2014 को उद्घाटन किया था। लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार क्षेत्र में 367 एकड़ में फैला यह पार्क समाजवादी नेता श्री जनेश्वर मिश्र को समर्पित है।

23 मार्च 2021 को समाजवादी पार्टी के प्रेरणा पुरुष डा.राम मनोहर लोहिया जी की जयंती के अवसर पर श्री अखिलेश यादव मेरठ की विशाल जनसभा के बाद सीधे लखनऊ एयरपोर्ट से डा. लोहिया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भेंट करने के लिए लोहिया पार्क पहुंचे। वहां एकत्रित जनसमूह ने अपने बीच प्रिय नेता को पाकर उनका अभिनंदन किया। लोहिया

पार्क का विहंगम निरीक्षण करते हुए अखिलेश जी यहां लगे कल्पवृक्ष के निकट पहुंचे तो उन्होंने पारिजात वृक्ष को नमन किया।

श्री अखिलेश यादव जी के मन में पर्यावरण संरक्षण के अलावा खासतौर पर बच्चों के लिए मनोरंजन स्थल के निर्माण की ललक थी जिससे लोहिया पार्क और जनेश्वर मिश्र पार्क में लंदन के पार्कों जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने का विचार आया। उनका मानना है कि इससे बच्चों को खुली हवा में खेलने-पनपने का अवसर मिल रहा है। बच्चों की खुशियों का अर्थ परिवार वाले जानते हैं।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने इन पार्कों में देशी-विदेशी सुन्दर वृक्ष लगवाए। जनेश्वर मिश्र पार्क में गंडोला बोट से बोटिंग की व्यवस्था है। लोहिया पार्क और जनेश्वर मिश्र पार्कों में वाकिंग ट्रैक बनवाए। जिन पार्कों को बड़ी लगन के साथ बनवाया गया उनकी दुर्दशा देखकर श्री अखिलेश जी का दुखी होना स्वाभाविक है। बहुत से वृक्ष सूख रहे है उन्हें बचाया जा सकता है। झील में बोटिंग की व्यवस्था गड़बड़ा गई है। व्यवस्था में अपेक्षित सुधार न होने से पार्कों की भव्यता नष्ट हो रही है। लखनऊ विकास प्राधिकरण को जैसा रखरखाव करना चाहिए, नहीं हो रहा है।

कहना न होगा कि इन पार्कों से मेल-मिलाप और सद्भाव को भी बल मिलता है। जो लोग पार्कों में मिले उन्होंने श्री

सैफई में बिखरे फूलों की होली के रंग

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने 29 मार्च 2021 को सैफई में होली मनाई। श्री अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं और परिवार के सदस्यों साथ फूलों की होली खेली।

इसमें प्राचीन परंपरा के रंग देखने को मिले। ढोल-नगाड़ों पर फाग गीत गाए गए, लोगों ने नृत्य-संगीत का आनंद लिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने फागुन गीत गाया। पूरा माहौल खुशनुमा रहा। इस अवसर पर धर्मेंद्र यादव, अक्षय यादव एवं तेज प्रताप यादव समेत परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे।

सैफई से वापसी के पश्चात समाजवादी पार्टी कार्यालय, लखनऊ में कुछ दिनों तक समाज के विभिन्न तबकों के लोगों ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव से भेंट की तथा होली की बधाई दी। 31 मार्च 2021 को लगभग एक दर्जन मौलानाओं ने भी, जो कई जनपदों से आए थे, श्री अखिलेश यादव से मिलकर सन् 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनवाने का भरोसा दिलाया।

उनसे भेंट करने वाले मौलानाओं में प्रमुख थे सर्वश्री मौलाना मोहम्मद इकबाल खां कादरी साहब लखनऊ, मौलाना मासूम रजा एवं मौलाना इसराईल बाराबंकी, मौलाना तफसीर हुसेन महाराजगंज, मौलाना आफताब देवरिया, चौधरी मजाहिर राना एडवोकेट सहारनपुर, मोहम्मद रेहान पूर्व विधायक तथा शकील खां लखनऊ एवं मौलाना हसीब, मौलाना जफीर, मौलाना जान मोहम्मद, मौलाना अबू बकर, मौलाना अजीमुद्दीन एवं मौलाना मोईन अयोध्या।

इन सभी का मानना था कि समाजवादी पार्टी ही सबका सम्मान करती है। वही सामाजिक सद्भाव और सौहार्द की हामी है। समाजवादी सरकार में ही अल्पसंख्यकों को सुरक्षा और सम्मान हासिल था। उनके बच्चों की पढ़ाई तथा शादी के लिए मदद मिलती थी। समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर समाजवादी पार्टी चलती है। सभी लोग यह महसूस कर रहे हैं कि भाजपा की गलत नीतियों से छुटकारा समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर ही मिल सकता है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि विकास के लिए समाज में सौहार्द और शांति व्यवस्था का बना रहना आवश्यक है। नफरत और समाज के बंटवारे की राजनीति कभी सकारात्मक नहीं हो सकती है।

अखिलेश जी के इन कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। पार्कों में घूम रहे सैकड़ों लोगों ने कहा कि इस बार समाजवादी पार्टी की सरकार बने, उन सबकी यही इच्छा है।

श्री अखिलेश यादव पार्क से वापसी में गोमती रिवर फ्रंट पर भी कुछ देर रुके। भाजपा सरकार ने रिवर फ्रंट को बर्बाद कर दिया है। उसने चार वर्ष में उत्तर प्रदेश को प्रदूषण प्रदेश बना दिया है। राजधानी लखनऊ भी उसकी चपेट में है। जो भाजपा सरकार समाजवादी पार्टी की सरकार में बनी मेट्रो ट्रेन को आगे नहीं बढ़ा सकी वह जनता को भ्रमित करने के लिए पार्क में ट्राय ट्रेन चलाने का झांसा दे रही है पर उनका यह वादा भी अन्य वादों की तरह भुलावा और छलावा ही साबित होगा। अब तो वैसे भी भाजपा सरकार का विदाई का समय निकट ही है।

सादगी और राजनीतिक शुचिता की स्वर्ण जयंती यानी राजेन्द्र चौधरी

अरुण कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

लोग नाहक हौवा खड़ा किए रहते हैं कि आज की राजनीति में ईमानदार होना कठिन है। ईमानदार बने रहना बेहद आसान है। सिर्फ ना कहना सीख जाइए अपनी जरूरतें घटा लीजिए और लालच को हावी न होने दीजिए। जनता को ध्यान में रखकर काम कीजिए आप बड़े आसानी से ईमानदार बने रह सकते हैं। यह कहना है सार्वजनिक जीवन में पचास वर्ष बेदाग बिताने वाले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और उत्तर प्रदेश के प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी का।

उनका कहना है कि ईमानदारी की जो घुट्टी पूर्व प्रधानमंत्री और किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह ने युवा अवस्था में पिलाई थी उसका असर 74 साल की उम्र में भी बना हुआ है। यही कारण है कि उन्हें आधुनिक व्याधियां व्याप्त नहीं हुईं और इतने लंबे राजनीतिक जीवन में आज तक किसी किस्म का आरोप लग नहीं पाया।

हाल में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य के रूप में निर्वाचित किए गए राजेन्द्र चौधरी ने अपने गृह जनपद गाजियाबाद में लोहिया नगर के गांधीपार्क में 11 अप्रैल 2021

को आयोजित एक अभिनंदन समारोह में वर्तमान राजनीति में भ्रष्ट होने के दबावों पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने मौजूदा समय में समाज के सामने उपस्थित नफरत और तानाशाही के संकटों पर भी लोगों को आगाह किया।

उनका कहना था कि जब तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने उन्हें यमुना एक्सप्रेस-वे समिति का चेयरमैन बनाया तो वे बहुत परेशान हो गए। अचानक उनके पास कंपनियों के अधिकारी आने लगे नए नए ऑफर लेकर। वे मुख्यमंत्री जी के पास गए और कहा कि आपने मुझे यह क्या झमेला सौंप दिया है। मेरे ऊपर तरह तरह से दबाव पड़ने शुरू हो गए हैं। किसी और को यह काम दे दीजिए। इस पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इसलिए आपको दिया है क्योंकि आप दबाव झेल ले जाएंगे कोई और होगा तो वह झुक जाएगा।

इस तरह राजेन्द्र चौधरी ने कारपोरेट दबावों को झेलते हुए किसानों को 65 प्रतिशत ज्यादा मुआवजा दिलवाया जो अपने में एक उपलब्धि थी। यह एक उदाहरण है जिसके अनुसार अगर आप की नजर में निजी हितों की बजाय जनता का हित है तो आप सत्ता की राजनीति में लंबे समय तक रहते हुए और

विकास का काम करते हुए भी ईमानदार बने रह सकते हैं। अपनी इसी ईमानदारी और समाजवादी सिद्धांतों पर राजेन्द्र चौधरी को गहरा भरोसा है। इसीलिए वे मानते हैं कि भाजपा और संघ के लोग कितनी भी नफरत फैलाएं और समाज को बांटने की कोशिश करे लेकिन भारतीय समाज का स्वभाव वैसा नहीं है जैसा वे बनाना चाहते हैं। भारतीय समाज मूलतः सांप्रदायिक सद्भाव वाला समाज है और यहां तमाम जाति और धर्म के लोग मिल जुलकर रहते हैं। इसलिए भले ही कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इस बात से निराश हों कि सत्ता परिवर्तन के बाद भी समाज पर सांप्रदायिक और विभाजनकारी प्रभाव बने रहेंगे लेकिन राजेन्द्र चौधरी जैसे जमीनी नेता को अपने समाज पर बहुत भरोसा है।

डा. राममनोहर लोहिया जिसे बादशाहत और फकीरी की मिली जुली राजनीति कहते थे उसे राजेन्द्र चौधरी ने अच्छी तरह से साधा है। इसीलिए उनमें राजनेता और संत दोनों का व्यक्तित्व एक साथ दिखाई पड़ता है। गाजियाबाद के कोट गांव में जन्मे राजेन्द्र चौधरी सत्तर के दशक में मधु लिमए, जार्ज फर्नांडीस, राज नारायण, किशन पटनायक, जनेश्वर मिश्र, बृजभूषण तिवारी एवं मोहन सिंह जैसे समाजवादी नेताओं के प्रभाव में छात्र राजनीति में सक्रिय हुए और मेरठ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध गाजियाबाद के एम-एम-एच- कालेज के छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गए।

राजेन्द्र चौधरी अपने छात्र जीवन में इतने लोकप्रिय थे कि वे 1968 से 1974 के बीच अपने कालेज के महामंत्री और अध्यक्ष पद पर तीन बार निर्वाचित हुए। वे गाजियाबाद में वकालत कर रहे थे तभी चौधरी चरण सिंह के प्रभाव में आए और लोकदल से जुड़ गए। वे पहली बार 1974 में उसी समय भारतीय क्रांति दल से विधानसभा का चुनाव लड़े जब सत्यपाल मलिक ने भी चुनावी राजनीति में प्रवेश किया। राजेन्द्र जी वह चुनाव तो नहीं जीत पाए और एक साल बाद इमरजेंसी लग गई और तमाम विपक्षी नेताओं के साथ जेल भेज दिए गए। उन्हें मेरठ जेल में यातना]

राजेन्द्र चौधरी समाजवादी परिवार के एक अनुकरणीय नायक हैं। जिनकी सफलता का कारण सार्वजनिक जीवन के प्रति निष्ठा, कर्तव्य पालन और आदर्श व्यवहार में संतुलन को बनाए रखने में निहित है

कारावास सहा और इसी के साथ किसानों और मजदूरों की राजनीति के प्रति उनका संकल्प और भी दृढ़ होता गया।

वे गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र से 1977 में जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़े और विधायक बनकर पहली बार उत्तर प्रदेश विधानसभा में प्रवेश किया। उन्होंने अपना ज्यादा समय सांगठनिक कामों में लगाया। वे जनता पार्टी के युवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रहे] लोकदल के प्रदेश महामंत्री रहे। वे उत्तर प्रदेश में एग्रो चेयरमैन और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अध्यक्ष रहे। वे 2012 में बनी श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी की सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में कारागार, खाद्य और रसद एवं राजनीतिक पेंशन विभाग निष्ठापूर्वक सम्हालने में सफल रहे।

उनका यह शुचिता का संकल्प इतना दृढ़ और संवेदनशील है कि जब वे 11 अप्रैल 2021 को अपने अभिनंदन के लिए गांधी मैदान की ओर जा रहे थे तो एक ओर उनके स्वागत के लिए उमड़ी युवाओं की भीड़ थी तो दूसरी ओर वे अपने ड्राइवर को लगातार डांट रहे थे कि गाड़ी धीरे चलाओ। अगर किसी साइकिल वाले और ठेले वाले को लग गई तो बहुत बुरा होगा। जब राजनीति में दूसरे को धकियाने और तेजी से आगे बढ़ने की पहले हम पहले हम की होड़ मची हो तब किसी राजनेता में ऐसी संवेदनशीलता उसे भीड़ और सत्ताधारी राजनेताओं की जमात से अलग खड़ा करती है। शायद वे सौ कदम अकेले चलने की बजाय सौ लोगों को लेकर एक कदम चलने में यकीन करते हैं। इसलिए उनके व्यक्तित्व पर टिप्पणी करते हुए समाजवादी विचारक प्रोफेसर आनंद कुमार कहते हैं, "राजेन्द्र चौधरी समाजवादी परिवार के एक अनुकरणीय नायक हैं। जिनकी सफलता का कारण सार्वजनिक जीवन के प्रति निष्ठा, कर्तव्य पालन और आदर्श व्यवहार में संतुलन को बनाए रखने में निहित है।" समाजवादी महानायक इसी को राग, जिम्मेदारी की भावना और अनुपात की समझ कह गए हैं और श्री राजेन्द्र चौधरी इसी सूत्र के श्रेष्ठ प्रतिमूर्ति हैं।

अपनी इसी निष्ठा के बूते पर वे उन्हें विश्वास है कि इस देश में भाजपा का एजेंडा लंबे समय तक नहीं चलने वाला है। यह एक

24 जनवरी 1974 को गाज़ियाबाद में भारतीय क्रांति दल के चुनाव सभा में चौधरी चरण सिंह जी एवं प्रत्याशी श्री राजेंद्र चौधरी भाषण करते हुए

पड़ाव है। यह बात जरूर है कि राजनीतिक लड़ाई के बाद सामाजिक लड़ाई के लिए भी लगना होगा। उसके लिए लोगों को जागरूक करना होगा। वे कहते हैं कि दरअसल भारतीय समाज सहज और भोला है और भाजपा के लोग उसके भोलेपन का दोहन कर रहे हैं।

महात्मा फुले की जयंती पर आयोजित अपने अभिनंदन समारोह में उन्होंने उनको याद करते हुए कहा कि उन्होंने जातिविहीन समाज बनाने के लिए संघर्ष किया था लेकिन आज भाजपा के लोग समाज में जातिगत वैमनस्य फैला रहे हैं। दरअसल वे लोग भ्रम की राजनीति कर रहे हैं। वे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सभी क्षेत्रों में भ्रम फैला रहे हैं। इसका मुकाबला गांधी, लोहिया, डा. आंबेडकर और चरण सिंह के विचारों के आधार पर वैकल्पिक कार्यक्रम बनाकर ही किया जा सकता है। किसान आंदोलन उसका एक हिस्सा है।

राजेन्द्र चौधरी का मानना है कि यह सरकार किसानों को ठग रही है उन्हें बर्बाद करना चाहती है क्योंकि उनकी राजनीति सार्वजनिक उपक्रमों को बेचने और कारपोरेट को फायदा पहुंचाने की है। इसमें किसान पीसे जा रहे हैं। यही कारण है कि वे आक्रोशित हैं। युवा आक्रोशित है क्योंकि बेरोजगारी तेजी से बढ़ी है। सरकार महामारी के नाम पर और कारपोरेट विकास के नाम पर लोगों के अधिकार छीन रही है। जो अधिकार संविधान ने हमें दिए हैं उन्हें कम किया रहा है। लेकिन आज जनता जागरूक हो गई है और वह वैसा होने नहीं देगी। राजेन्द्र चौधरी मानते हैं कि यह समय गंभीर वैचारिक संकट का है। यही कारण है कि समाज में हिंसा फैल रही है और जो चुनाव जीत रहे हैं वे किसी समस्या का हल नहीं कर रहे हैं सिर्फ भाषण दे रहे हैं। लेकिन चौधरी साहेब को यकीन है कि जनता पांच साल बाद हिसाब तो मांगेगी ही कि क्यों व्यर्थ में हमारे पांच साल गंवा दिए।

यह जानना रोचक है कि पचास साल सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहने, चौधरी चरण सिंह, मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव से नजदीकी रिश्ता रखने और कई बार विधायक और एक बार कैबिनेट मंत्री रहने के बावजूद उनका गाजियाबाद में अपना कोई मकान नहीं है। उनका मकान कोट गांव में ही है। प्लाट लेने और मकान बनाने का यह प्रयास उन्होंने लखनऊ में भी नहीं किया। वे लखनऊ में सरकारी फ्लैट में रहते हैं। अविवाहित राजेन्द्र चौधरी ने संपत्ति और संतति न रखने के डा लोहिया के सुझाव को चरितार्थ कर दिया है। उनकी इसी सादगी के सौंदर्य का कमाल है कि अगर पच्चीस साल पहले उनके सार्वजनिक अभिनंदन में पत्रकार शिरोमणि प्रभाष जोशी, समाजशास्त्री इम्तियाज अहमद, जेएनयू के प्रोफेसर आनंद कुमार और दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राज कुमार जैन (दोनों 50 वर्ष पूर्व समाजवादी युवजन सभा में राजेन्द्र चौधरी के साथी) एवं समाजवादी चिंतक विजय प्रताप मौजूद थे तो इस कोरोना काल में भी उनके कार्यक्रम में वयोवृद्ध पत्रकार कुलदीप तलवार, एलआर कालेज के पूर्व प्राचार्य डा. वीएल गौड़, लोकशिक्षण अभियान ट्रस्ट के संस्थापक राम दुलार यादव, लोक शक्ति संदेश के संपादक मुकेश शर्मा के अलावा गाजियाबाद के सैकड़ों वकील, शिक्षक, राजनीतिक कार्यकर्ता, किसान नेता और गणमान्य नागरिक मौजूद रहते हैं।

यह समाज इस बात का स्वप्न ही देख सकता है कि उसके भीतर से डा लोहिया, चौधरी चरण सिंह जैसे मूल्यवान, विद्वान और संघर्षशील नेता जन्म लेंगे

अगर महात्मा गांधी डा. लोहिया और जेपी के विचार राजेन्द्र चौधरी की पूंजी है तो चौधरी चरण सिंह का साथ उनके नैतिक और राजनीतिक अनुभव की गठरी है। गाजियाबाद बार एसोसिएशन और हिंडन नदी देखकर वे भाव विभोर हो जाते हैं क्योंकि इसी के साथ जुड़ी हैं किसानों के मसीहा और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की स्मृतियां। वे बताते हैं कि चौधरी साहब गाजियाबाद में वकालत करते थे और यहीं हिंडन नदी में नहाते थे। उस समय हिंडन साफ सुथरी नदी थी एक नाला नहीं। हिंडन नदी के नाला बनने की कहानी हमारी राजनीति के पतित, भ्रष्ट, मूल्यहीन और अलोकतांत्रिक होते जाने की कहानी है। हालांकि राजेंद्र चौधरी कहते हैं कि सार्वजनिक जीवन में ईमानदार बने रहना मुश्किल नहीं है लेकिन अब तो यह समाज इस बात का स्वप्न ही देख सकता है कि उसके भीतर से डा लोहिया, चौधरी चरण सिंह जैसे मूल्यवान, विद्वान और संघर्षशील नेता जन्म लेंगे और हमारी हिंडन उनके नहाने लायक बनेगी।

ममता के सीएम बनने से ही बंगाल का भला

— जया बच्चन

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव द्वारा पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव में सुश्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस को समर्थन का ऐलान किए जाने के बाद समाजवादी पार्टी के नेताओं ने प्रचार में पूरी ताकत लगा दी। कई स्थानों पर सपा के नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों के समर्थन में चुनावी सभाएं व जनसंपर्क के जरिए समर्थन मांगा।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में चुनाव की घोषणा होते ही श्री अखिलेश यादव ने सुश्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर उनसे कहा था कि राज्य में भाजपा को हराने के लिए जो संकल्प उन्होंने लिया है उसमें समाजवादी पार्टी उनका समर्थन करेगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के इसी निर्णय के मद्देनजर समाजवादी पार्टी की राज्यसभा सदस्य श्रीमती जया बच्चन ने तृणमूल कांग्रेस के पक्ष में कई रोड शो व जनसंपर्क कार्यक्रम किए।

श्रीमती जया बच्चन ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के निर्देश पर वे तृणमूल कांग्रेस के लिए चुनाव प्रचार करने आईं हैं। वह चाहती हैं कि सुश्री ममता बनर्जी फिर से

ममता बनर्जी अकेली महिला हैं, जो सभी अत्याचारों के खिलाफ लड़ाई लड़ रही हैं। वे बंगाल के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ाई कर रही हैं। उनके ममता फिर से मुख्यमंत्री बनने पर बंगाल की और उन्नति होगी।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनें। ममता अकेली महिला हैं, जो सभी अत्याचारों के खिलाफ लड़ाई लड़ रही हैं। वे बंगाल के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ाई कर रही हैं। उनके ममता फिर से मुख्यमंत्री बनने पर बंगाल की और उन्नति होगी।

श्रीमती जया बच्चन ने तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशियों के साथ उनके समर्थन में रोड शो व सभाएं तो की ही, वे कोलकाता के बेलियाघाट स्थित गांधी भवन से लेकर बऊबाजार तक ममता बनर्जी के साथ एक रोड शो में भी शामिल हुईं। इसमें भारी भीड़ उमड़ी।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री तृणमूल कांग्रेस की जीत के लिए समाजवादी पार्टी की ओर से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री किरणमय नंदा ने भी तृणमूल कांग्रेस के समर्थन में व्यापक चुनाव प्रचार अभियान चलाया। वे सुश्री ममता बनर्जी के साथ कुछ चुनावी रैलियों में भी शामिल हुए।

आजीवन सादगी की मिसाल रहे
भगवती बाबू

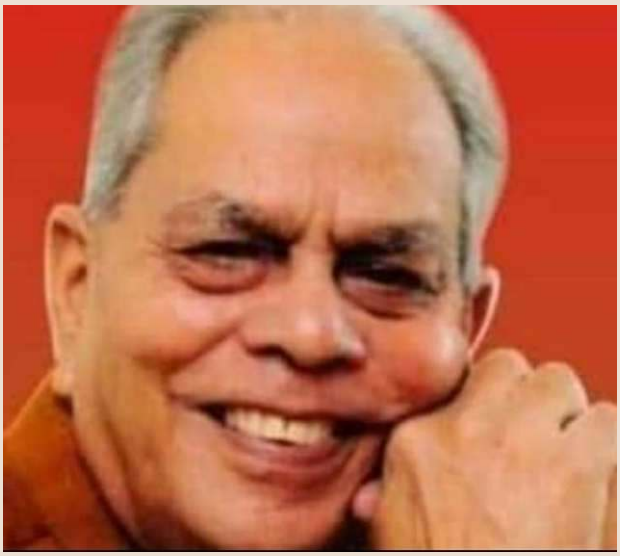

बुलेटिन ब्यूरो

पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ समाजवादी नेता श्री भगवती सिंह का 4 अप्रैल 2021 को लखनऊ में निधन हो गया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने रिवर बैंक कॉलोनी स्थित आवास पर जाकर स्वर्गीय भगवती बाबू को श्रद्धांजलि अर्पित की और संतप्त परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की।

श्री भगवती सिंह समाजवादी आंदोलन में डा. राम मनोहर लोहिया की प्रेरणा से शामिल हुए। सांसद, मंत्री सहित विभिन्न पदों पर रहते हुए उन्होंने जनहित और सिद्धांत को ही प्राथमिकता दी। समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य रहे श्री भगवती सिंह ने समाजवादी पार्टी और समाजवादी विचार को सशक्त किया।

श्री भगवती सिंह लखनऊ के बक्शी का तालाब स्थित चन्द्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के प्रबंधक रहे। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उनका निधन समाजवादी आंदोलन और देश की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है।

मुख्तार अनीस को श्रद्धांजलि

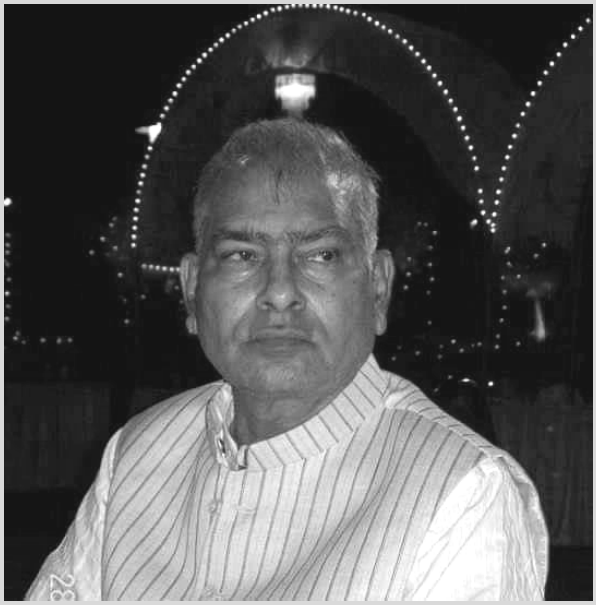

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद श्री मुख्तार अनीस का 31 मार्च 2021 को लखनऊ में निधन हो गया। वे 78 वर्ष के थे। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने लखनऊ के गोमतीनगर स्थित उनके आवास पर जाकर शोक संवेदना व्यक्त किया।

श्री अखिलेश यादव ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

श्री यादव ने श्री मुख्तार अनीस के समाजवादी आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान को याद करते हुए उनके निधन से हुए दुःख व समाजवादी पार्टी को हुए नुकसान को परिजनों से साझा किया।

उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौर में श्री अनीस लोकतंत्र की लड़ाई में जेल गए। संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी से शुरू हुआ उनका राजनीतिक सफर आजीवन समाजवादी मूल्यों के लिए समर्पित रहा। उत्तर प्रदेश में कैबिनेट मंत्री रहते हुए उन्होंने जनहित में महत्वपूर्ण फैसले लिए जिसका लाभ जनता को मिला।

मध्य प्रदेश में सपा

जनसमस्याओं पर लगातार सक्रिय

बुलेटिन ब्यूरो

मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी के स्थानीय नेता एवं कार्यकर्ता लगातार सक्रिय हैं एवं हाल के महीनों में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इसी कड़ी में दिनांक 14 अप्रैल 2021 को समाजवादी पार्टी रीवा संभाग की ओर से बाबा साहब अंबेडकर की जयंती मनायी गयी।

जिसमें समाजवादी पार्टी नगर परिषद् कार्यालय नईगढी में संविधान निर्माता डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े धूमधाम के साथ मनायी गयी जबकि हाई स्कूल इटहा कला के प्रांगण में बाबा साहब अंबेडकर की जयंती देवतालाब विधानसभा समाजवादी पार्टी के आयोजन में संपन्न हुयी। वहीं गांव नरैनी में सपा के पूर्वा सेक्टर द्वारा आयोजित बाबा साहब अंबेडकर की भव्य जयंती समारोह संपन्न हुयी। उक्त तीनों समारोह के मुख्य अतिथि संभागीय संगठन प्रभारी रामयज्ञ सोंधिया रहे।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब के सिद्धांतों पर केवल सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव ही चल रहे व बाबा साहब के सपनों को पूरा करने के लिए संघर्षरत हैं। उक्त तीनों समारोहों के विशिष्ट अतिथि समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता कमलेश्वर प्रसाद साहू, फुलेल प्रसाद जायसवाल ,शिवराज कुशवाहा ,देवेश तिवारी ,योगेश जायसवाल ,बाल्मिक सेन ,खुशी वर्मा एवं युवजन सभा से सुभाष चंद्र सोंधिया उपस्थित रहे। तीरथ प्रसाद सोंधिया, रणबहादुर सिंह रामूनामदेव, पप्पू पटेल ,भोले पटेल,बाबूलाल कोल सुअरहा ,विश्वनाथ कुशवाहा रमेश कोल भैयालाल कोल ,संतलाल तिवारी ,रावेन्द्र प्रजापति ,रामयस साकेत पास्टर,यज्ञभान साकेत ,श्यामलाल साकेत राजराखन कुशवाहा एवं अन्य समाजसेवियो ने अपने विचार रखे।

इससे पहले 15 मार्च 2021 को सपा रीवा संभाग के तत्वाधान में ज्वलंत जनसमस्याओं के मद्देनजर 17 सूत्रीय मांगों को लेकर मऊगंज अपर कलेक्टर कार्यालय के समक्ष विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। इसके पहले वाहन रैली निकली। धरना एवं प्रदर्शन में पार्टी कार्यकर्ता व पदाधिकारियों के अलावा हजारों की तादाद में किसान, खेतिहर मजदूर व फुटपाथी व्यापारी उपस्थित हुए। धरना सभा की अध्यक्षता पूर्व प्रत्याशी मऊगंज सुखचयन पटेल ने किया।

वहीं 18 फरवरी 2021 को सपा रीवा संभाग की ओर से 11 सूत्रीय ज्वलंत जनसमस्याओं को लेकर संभागीय संगठन प्रभारी रामयज्ञ सोंधिया के नेतृत्व में बाइक रैली एवं धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया जिसमें पूरे जिला एवं संभाग से बाइक रैलियों के साथ हजारों की तादाद में पार्टी के कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं समर्थक सुबह तहसील कार्यालय नईगढी के प्रांगण में उपस्थित हुए एवं धरना में शामिल हुए। बाद में तहसीलदार को महामहिम राष्ट्रपति महोदय को संबोधित 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया।

धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में जुटे समाजवादियों ने दोनों हाथ उठाकर सहमति जताई कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के अलावा अन्य कोई पार्टी व नेता नहीं है जो खेतिहर, मजदूर, किसान, नौजवान व फुटपाथी व्यापारियों की लड़ाई लड़ सके। धरना-प्रदर्शन में सीधी, सिंगरौली, रीवा व सतना के प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

यूपी में ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं, अफ़वाह फैलाने वालों पर एनएसए के तहत हो कार्रवाई: योगी आदित्यनाथ

वो झूठ बोल रहा था बड़े सलीक़े से
मैं ऐतबार न करता तो और क्या करता ....

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

उप्र के सरधना (मेरठ) में एक छात्रा के अपहरण, गैंगरेप व ज़हर देकर मारे जाने का समाचार बेहद दुःखद और समाज में ख़ौफ़ पैदा करने वाला है। श्रद्धांजलि!

स्टार प्रचारक जी को प्रचार से फ़ुरसत मिले तो कृपा कर इस पर भी विचार करें।

बहुत हुआ महिलाओं पर अत्याचार, नहीं चाहिए भाजपा सरकार!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

छत्तीसगढ़ में मातृभूमि की रक्षा करते हुए नक्सली हमले में शहीद हुए चंदौली के वीर जवान श्री धर्मदेव गुप्ता जी की अंतिम यात्रा में शामिल हुए सपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता।

पार्थिव शरीर पर पुष्प चढ़ाकर अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि।

देश आपके योगदान का सदैव ऋणी रहेगा।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

भाजपा राज में किसानों पर दोगुनी मार!

किसान पहले से ही फसल का उचित दाम न मिलने के कारण परेशान हैं लेकिन अब उनकी परेशानी और बढ़ चुकी है क्योंकि DAP के दाम में ₹300 तक की वृद्धि हो चली है।

भाजपा सरकार किसानों पर अत्याचार बंद कर बढ़े हुए दामों को वापस ले।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

ये रोशनी है स्मृति की...

Translate Tweet

20:14 · 13 Apr 21 · Twitter for iPhone

Following

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

मुख्यमंत्री जी के गृह-जनपद गोरखपुर में बीआरडी मेडिकल कॉलेज में एक माँ अपने बच्चे को गोद में लेकर उसे आक्सीजन दिलवाने के लिए मजबूर है।

प्रचार के झूठे होर्डिंगों के बीच में, सच की ये तस्वीर भी जनता के सामने आनी चाहिए।

#नहीं_चाहिए_भाजपा

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने छत्तीसगढ़ के नक्सली हमले में शहीद अयोध्या के लाल राजकुमार यादव जी की अंतिम यात्रा में सम्मिलित होकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

शत शत नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

बीते एक हफ्ते से बीमार चल रहे ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना वली रहमानी का निधन अत्यंत दुखद!

यह एक अपूरणीय क्षति है।

शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना! दिवंगत आत्मा को शांति दे भगवान।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि!

725 1.3K 9.4K

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

कोरोना पर स्टार प्रचारक से सवाल :

- शामली उप्र में कोरोना के टीके की जगह कुत्ते के काटने पर लगानेवाले इंजेक्शन की जाँच में क्या मिला?

- टीके बाद भी स्वास्थ्यकर्मियों को कोरोना कैसे हुआ?

- टेस्ट कम व रिपोर्ट देर से क्यों?

- अस्पताल में बेड व जानबचानेवाली दवाइयों की कमी क्यों?

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

महान शिक्षाविद्, आधुनिक भारत के प्रणेता, अलीगढ़ विश्वविद्यालय के संस्थापक, स्वतंत्रता सेनानी , सर सैयद अहमद खान की पुण्यतिथि पर शत-शत नमन।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

उत्तराखंड में सपा के पार्टी कार्यालय में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से मुलाक़ात।

Translate Tweet

हालात देख सबको बदल जाना चाहिए
जीना है तो थोड़ा संभल जाना चाहिए

हम जिंदगी और मौत के दरम्यान खड़े हैं
कोशिश करें कि वक्त ये टल जाना चाहिए

किसकी खता है कितनी यह तो बाद में करें
पहले सुरंग से तो निकल जाना चाहिए

महबूब से मिल आने की ज़िद दिल अगर करे
उससे बहाना कीजिए कल जाना चाहिए

हमको पता है आपका दिल मोम नहीं है
पर दूसरों के दुख में पिघल जाना चाहिए

अब तक हम ठीकठाक हैं ईश्वर की कृपा से
इस धोखे में ज्यादा ना टहल जाना चाहिए

सियासत में जुमलेबाजी का माना, महत्व है
पर झूठ के सांचे में ना ढल जाना चाहिए

आवाम के दुख दर्द के शायर हो तुम उदय
इस दौर में भी एक गजल गाना चाहिए

उदय प्रताप सिंह

समाजवादी पार्टी